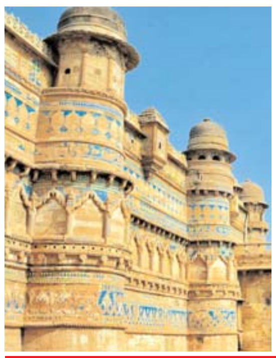

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 287 | ग्वालियर, सोमवार 7 अगस्त 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

पाकिस्तान में भीषण ट्रेन हादसा, 10 बोगियां ट्रैक से उतरीं, 15 की मौत, 50 घायल

नई दिल्ली। पाकिस्तान के शहजादपुर और नवाबशाह के बीच रविवार (6 अगस्त) को भीषण ट्रेन हादसा हो गया. इस रेल हादसे में हजारा एक्सप्रेस की लगभग 10 बोगियां पटरी से उतर गई. हादसे में कुल 15 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हैं. स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ट्रेन कराची से पंजाब जा रही थी, जब यह दुर्घटना का शिकार हो गई. पाकिस्तान रेडियो की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को नवाबशाह में सरहरी रेलवे स्टेशन के पास हजारा एक्सप्रेस की कई बोगियां पटरी से उतर गईं, जिससे 15 लोगों की मौत हो गई. जबकि दर्जनों लोग गंभीर

रूप से घायल हैं. रिपोर्ट के अनुसार, मृतकों की संख्या अभी बढ़ सकती है. रिपोर्ट के अनुसार, घायलों को नवाबशाह के पीपुल्स मेडिकल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था. हादसे को लेकर अधिकारियों का कहना है कि पटरी से उतरने के पीछे का कारण अभी तक ज्ञात नहीं है. डॉन न्यूज टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रेन कराची से रावलपिंडी जा रही थी. लाहौर में मीडिया से बात करते हुए रेलवे और विमानन मंत्री ख्वाजा साद रफीक ने कहा कि मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है. उन्होंने कहा कि रिपोर्टों से पता चलता है कि 15 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए. यह हादसा बेहद ही दुखद है. फिलहाल प्रभावित लोगों की जान बचानी प्राथमिकता है. इसके बाद घटना की जांच की जाएगी. इस बीच, सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने घटना में मारे गए लोगों पर दुख व्यक्त किया है. साथ ही उन्होंने नवाबशाह के डिप्टी कमिश्नर को घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया. गौरतलब है कि पाकिस्तान में हाल के दिनों में रेल हादसों में तेजी आई है. बीते एक दशक में पाकिस्तान में कई बड़े रेल हादसे हुए हैं.

न्यूज ट्रैक

हर्रावाला रेलवे स्टेशन की 30 करोड़ की लागत से बदलेगी सूरत

नई दिल्ली। देहरादून के हर्रावाला रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का शिलान्यास आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से किया. इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जनता को संबोधित भी किया. रेलवे की ओर से हर्रावाला रेलवे स्टेशन पर शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया. रेलवे की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 508 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है. इसमें मुरादाबाद मंडल के 12 स्टेशन शामिल है. इसके अलावा देहरादून का हर्रावाला व हरिद्वार का रुड़की रेलवे स्टेशन व नैनीताल जनपद का लालकुआं स्टेशन भी शामिल है. 30 करोड़ की लागत से देहरादून के हर्रावाला स्टेशन का, 29 करोड़ की लागत से हरिद्वार के रुड़की रेलवे स्टेशन व 23 करोड़ की लागत से नैनीताल जनपद के लालकुआं स्टेशन का कायाकल्प होना है. इस अवसर पर राज्यपाल सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, सांसद नरेश बंसल, मेयर सुनील उनियाल गामा, डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला समेत अन्य मौजूद रहे. वहीं रेलवे स्टेशनों पर हो रहे बदलाव को लेकर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज पूरा भारत बदल रहा है और भारत कैसे विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हो इस पर लगातार जोर दिया जा रहा है. इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया और कहा कि हर्रावाला क्षेत्र की जनता की पिछले लंबे समय से मांग थी कि हर्रावाला रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किया जाए जोकि अब साकार हुआ है. मैं हृदय की गहराइयों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करता हूं. लोक गायक प्रीतम भरतवान ने कहा की पीएम मोदी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर अग्रसर है और आज जो सौगात रेलवे स्टेशन के माध्यम से मिली है. उसका लाभ आम जनता को मिलेगा.

क्या बीजेपी में जा रहे हैं जयंत पाटिल

अमित शाह से मुलाकात पर शरद पवार के करीबी नेता ने खुद ही दिया जवाब

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में एक बार फिर से सियासी उलटफेर के आसार बनते नजर आ रहे हैं. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ एनसीपी नेता शरद पवार के करीबी जयंत पाटिल की मुलाकात के बाद अनुमान लगाया जाने लगा कि शरद पवार गुट के नेता जल्द ही बीजेपी में शामिल हो सकते हैं. जानकारी के मुताबिक ऐसा कहा जा रहा है कि पाटिल ने शनिवार (5 अगस्त) को अमित शाह से मुलाकात की थी. अब इस मामले पर जयंत पाटिल ने जवाब देते हुए सभी अटकलों को खारिज कर दिया. उन्होंने कहा कि अमित शाह की पुणे की यात्रा के दौरान जयंत पाटिल की कथित तौर पर गृह मंत्री से मुलाकात हुई थी. पुणे में अमित शाह के साथ अपनी कथित मुलाकात की अफवाहों का स्पष्ट रूप से खंडन करते हुए पाटिल ने कहा कि यह आपको किसने बताया कि मैं अमित शाह से मिला आपको उन लोगों से पूछना चाहिए जो यह सब कह रहे हैं. शनिवार (5 अगस्त) को मैं शरद पवार के आवास पर था. मैं किसी से नहीं मिला हूं. पाटिल ने 6 अगस्त को मुंबई में बोलते हुए जोर देकर कहा कि वह शनिवार (5 अगस्त) के बाद से कभी भी मुंबई से बाहर नहीं गए. उन्होंने कहा कि जब तक मैं मुंबई में था, मैं शनिवार शरद पवार के घर पर था, फिर शनिवार की रात मैंने अनिल देशमुख और राजेश टोपे सहित पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों के साथ बैठक की जो रविवार (6 अगस्त) तड़के तक जारी रही. उन्होंने कहा कि रविवार (6 अगस्त) सुबह पार्टी के आंतरिक मामलों को लेकर मेरी फिर शरद पवार से मुलाकात हुई. ऐसे में मैं अमित शाह से कहां से मिल सकता था। सांगली के इस्लामपुर वालवा निर्वाचन क्षेत्र से सात बार के विधायक जयंत पाटिल ने स्पष्ट किया कि हम सभी पवार और विपक्षी महा विकास अघाड़ी के साथ है. हाल ही दिनों में कहा जा रहा है कि पाटिल जो शरद पवार के कट्टर वफादार माने जाते हैं. उन्होंने स्पष्ट रूप से पुणे के जेडब्ल्यू में अमित शाह से मुलाकात की थी. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिन के दौरे पर महाराष्ट के पुणे में हैं. रविवार को अमित शाह पुणे में एक कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां उन्होंने डिप्टी सीएम और शरद पवार के खिलाफ बगावत करने वाले अजित पवार के साथ मंच साझा किया.

नूंह में हिंसा का पहले से ही बना था प्लान

नई दिल्ली। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने नूंह हिंसा को पहले से प्लान और दिल दहलाने वाली करार दिया. उन्होंने रविवार (6 अगस्त) को एक बयान जारी कर कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद के एक प्रतिनिधिमंडल ने नूंह, मेवात और आसपास के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया. उन्होंने दंगा प्रभावित क्षेत्रों की जो रिपोर्ट पेश की है वो दिल दहलाने वाली है. मौलाना अरशद मदनी ने आगे कहा कि रिपोर्ट से ये बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि दंगा पहले से प्लान था. इसमें पुलिस और प्रशासन की भूमिका संदिग्ध रही है, जिसके कई वीडियो वायरल हो चुके हैं. हरियाणा के नूंह जिले में बीती 31 जुलाई को वीएचपी की धार्मिक यात्रा के दौरान हिंसा भड़क उठी थी. जिसमें होमगार्ड के दो जवान सहित छह लोगों की मौत हो चुकी है. ये हिंसा गुरुग्राम तक फैल गई थी. हिंसा को लेकर अब तक 106 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 216 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है. 24 एफआईआर सोशल मीडिया पोस्ट के खिलाफ हैं और चार लोगों को सोशल मीडियो पोस्ट के लिए गिरफ्तार किया गया है.

ज्ञानवापी परिसर में जारी सर्वे के बीच मुस्लिम पक्ष ने दी बहिष्कार की चेतावनी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने रविवार को तीसरे दिन ज्ञानवापी परिसर में पुरातात्विक सर्वेक्षण का काम शुरू किया. इस बीच, मुस्लिम पक्ष ने सर्वेक्षण को लेकर झूठी खबरें प्रसारित किए जाने का आरोप लगाते हुए प्रक्रिया से अलग होने की चेतावनी दी. सरकारी वकील राजेश मिश्रा ने बताया, एएसआई ने रविवार को लगातार तीसरे दिन सर्वे कार्य शुरू किया. सर्वे टीम सुबह आठ बजे ज्ञानवापी परिसर में दाखिल हुई. सर्वे का काम शाम पांच बजे तक चलेगा. दोपहर में दो घंटे का भोजन अवकाश होगा. हिंदू पक्ष के अधिवक्ता सुधीर त्रिपाठी ने सर्वे के लिए परिसर में प्रवेश करने से पहले संवादाताओं से कहा कि तीसरे दिन का सर्वे कार्य शुरू हो रहा है. उन्होंने बताया कि शनिवार को सर्वे के लिए डीजीपीएस समेत कई मशीनों का इस्तेमाल किया गया था और रविवार को रडार का उपयोग किए जाने की संभावना

है. त्रिपाठी के मुताबिक, हिंदू और मुस्लिम दोनों ही पक्ष अब तक किए गए सर्वे से संतुष्ट हैं.

इस बीच, ज्ञानवापी मस्जिद की रखरखावकर्ता अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी के संयुक्त सचिव सैयद मोहम्मद यासीन ने बताया कि सर्वे को लेकर उच्चतम न्यायालय का आदेश आने के बाद मुस्लिम पक्ष दूसरे दिन के सर्वेक्षण में शामिल हुआ और आज भी उसके वकील सर्वे में मौजूद हैं, लेकिन सर्वे को लेकर जिस तरह की बेबुनियाद बातें फैलाई जा रही हैं, अगर उन्हें नहीं रोका गया तो मुस्लिम पक्ष सर्वेक्षण का फिर से बहिष्कार कर सकता है. यासीन ने आरोप लगाया कि शनिवार को सर्वे के दौरान मीडिया के एक वर्ग ने अफवाह फैलाई कि मस्जिद के अंदर तहखाने में मूर्तियां, त्रिशूल और कलश मिले हैं, जिससे मुस्लिम समाज आहत है. उन्होंन कहा कि अगर इस तरह की हरकतों पर लगाम नहीं लगी, तो मुस्लिम पक्ष एक बार फिर सर्वे का बहिष्कार कर सकता है. उच्चतम न्यायालय ने गत शुक्रवार को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के एएसआई सर्वे पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था. इससे पहले, उच्च न्यायालय द्वारा इसी मांग को लेकर मुस्लिम पक्ष की ओर से दायर याचिका को खारिज किए जाने के बाद शुक्रवार को परिसर में सर्वे की कार्यवाही शुरू की गई थी. सर्वे के पहले दिन मुस्लिम पक्ष ने इसका बहिष्कार किया था।

मध्य प्रदेश चुनाव को लेकर केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बुलाई अहम बैठक

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. इसको लेकर सत्तारूढ़ बीजेपी और कांग्रेस की तरफ से रैलियों का दौर शुरू हो गया है. दोनों ही पार्टियों के राष्ट्रीय स्तर के नेता लगातार मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों में डेरा डाल रहे हैं. इसी बीच बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने दिल्ली में बड़ी बैठक का करने का फैसला किया है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार शाम बैठक बुलाई है. यह बैठक विधानसभा चुनाव को लेकर बुलाई गई है. खबर है कि मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान भी इस बैठक में हिस्सा लेने दिल्ली पहुंच रहे हैं. इस बैठक में और कौन-कौन शामिल हो रहे हैं, इसको लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है. बता दें कि इन दिनों सीएम शिवराज सिंह चौहान भी अलग-अलग जिलों का दौरा कर रहे हैं और अपने सरकार के कामकाज गिना रहे हैं जिनमें लाडली लक्ष्मी योजना और लाडली बहना योजना का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है. दूसरी तरफ बीजेपी के अभियान को मजबूती देने के लिए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी प्रचार मैदान में उतर गए हैं. वहीं, दूसरी तरफ पूर्व सीएम कमलनाथ और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने भी कांग्रेस का अभियान तेज कर दिया है. ये उन विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस की स्थिति मजबूत करने में लगे हुए हैं जहां बीजेपी के हाथों 2018 में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था.

लड़की को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में युवक को 18 साल की सजा

नई दिल्ली। केरल के कोच्चि की एक स्पेशल कोर्ट ने लड़की को आत्महत्या के लिए उकसाने, सार्वजनिक रूप से जान से मारने की धमकी देने और उसके साथ दुर्व्यवहार करने के बाद किशोरी द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में 23 साल के युवक को 18 साल की सजा सुनाई है. विशेष पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम) कोर्ट के जस्टिस के. सोमन ने शनिवार (5 अगस्त) को युवक सिबी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं के तहत अलग-अलग सजा सुनाई और उस पर 1.20 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया. अभियोजक ने बताया कि दोषी 10 साल की सजा काटेगा, जो उसे दी गई सजाओं में अधिकतम है. अदालत के आदेश के मुताबिक सभी सजाएं एक साथ चलेंगी एर्नाकुलम के रहने वाले सिबी को आत्महत्या के लिए उकसाने, सार्वजनिक रूप से लड़की को जान से मारने की धमकी देने, उसके साथ दुर्व्यवहार करने और उस पर हमला करने समेत अन्य आरोपों के तहत सजा सुनाई गई.

विपक्षी महागठबंधन के नेता अब बैकबेंचर बन कर रह गए

नई दिल्ली। लोजपा (रामविलास) के चीफ और सांसद चिराग पासवान ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा कटाक्ष किया है. उन्होंने रविवार (6 अगस्त) को कहा कि नीतीश कुमार को विपक्षी गुट का नेतृत्व करने का काम सौंपा गया था, लेकिन अब उनका रोल कम कर दिया गया है. चिराग पासवान बीते महीने ही एनडीए में शामिल हुए हैं. लोकसभा सांसद चिराग पासवान ने नीतीश कुमार को निशाने पर लेते हुए कहा कि अन्य विपक्षी नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध हैं, लेकिन इस ग्रैंड अलायंस के नेता अब बैकबेंचर बन कर रह गए हैं. चिराग पासवान का ये बयान राहुल गांधी और राजद प्रमुख लालू यादव की दिल्ली में डिनर पर मुलाकात के कुछ दिनों बाद आया है. राहुल गांधी को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरनेम मानहानि मामले में उनकी

सजा पर रोक लगा दी थी. जिसके बाद वे दिल्ली में राजद सांसद मीसा भारती के घर पर बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और लालू यादव से मिलने गए थे. हालांकि, नीतीश कुमार इस बैठक का हिस्सा नहीं थे. इस बैठक को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि ये मीटिंग विपक्षी गठबंधन इंडिया की इस महीने के अंत में मुंबई में होने वाली बैठक से पहले हुई है. चिराग पासवान ने इंडिया टुडे से कहा कि नीतीश कुमार को सभी विपक्षी नेताओं को एक मंच पर लाने और एकजुटता बनाने की भूमिका दी गई थी, लेकिन अब वह तीसरी या चौथी पंक्ति में भी नहीं दिखते हैं. इसके अलावा जब वह विपक्ष की बैठक के लिए बेंगलुरु गए, तो उनकी तस्वीर पोस्टर से गायब थी. इसके बजाय नीतीश कुमार पर निशाना साधने वाले पोस्टर शहर में देखे गए थे. उन्होंने आगे कहा कि इन पोस्टरों ने बिहार को शर्मसार कर दिया है. राज्य में नवनिर्मित पुल ढह रहे हैं और नीतीश कुमार के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति जर्जर है. बिहार के हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के बारे में पूछे जाने पर चिराग पासवान ने कहा कि हाजीपुर सीट मेरी कर्मभूमि है और ये मेरी जिम्मेदारी है. चिराग पासवान ने कहा कि बाकी एनडीए तय करेगा. सीट का फैसला गठबंधन के भीतर होगा. फैसला जल्द ही लिया जाएगा. सिर्फ इसलिए कि मेरी चाचा पशुपति कुमार पारस हाजीपुर सीट पर दावा कर रहे हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें वहां से चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा.

पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य की सेहत में हो रहा सुधार

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य (79) के स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है. रविवार (6 अगस्त) को वुडलैंड्स अस्पताल की ओर से कहा गया कि बुद्धदेव भट्टाचार्य होश में हैं और डॉक्टरों और मिलने वालों के सवालों के जवाब दे रहे हैं. सांस लेने में तकलीफ के बाद उन्हें 29 जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था. अस्पताल ने एक बयान में कहा कि पूर्व सीएम को भर्ती हुए नौ दिन हो गए हैं. वे नॉन-इनवेसिव वेंटिलेशन पर हैं और अब डॉक्टरों और मिलने वालों को रिस्पांड कर रहे हैं. उनके स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ है और वह चिकित्सकीय रूप से स्थिर हैं. कल मेडिकल बोर्ड की बैठक बुलाई जाएगी. वुडलैंड्स हॉस्पिटल की प्रबंध निदेशक और सीईओ डॉ. रूपाली बसु ने कहा कि कंजर्वेटिव मेडिकल प्रबंधन, फिजियोथेरेपी और फेफड़ों का रिहैबिलिटेशन चल रहा है. उन्हें राइल्स ट्यूब के जरिये भोजन दिया जा रहा है और उनके निगलने की प्रणाली की जांच की जा रही है. उनका इलाज कर रही मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर कड़ी नजर रख रही है.

नूंह, मणिपुर हिंसा पर चुप क्यों हैं पीएम मोदीः शत्रुघ्न सिन्हा का तंज

नई दिल्ली। मोदी सरनेम मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी. कोर्ट के फैसले के बाद पूरे विपक्ष में खुशी का माहौल है. टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने इसे विपक्षी गठबंधनकी जीत बताया है. उन्होंने रविवार (6 अगस्त, 2023) को कहा कि सरकार ने बदले की राजनीति से राहुल गांधी के खिलाफ ऐसा किया था. आने वाले दिनों में संसद के भीतर और तमाशा होगा. शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, आपने बदले की राजनीति से भारत जोड़ो यात्रा के हीरो राहुल गांधी के साथ ऐसा किया. बंगाल की टाइग्रेस ममता बनर्जी ने और राहुल गांधी को कितना सपोर्ट किया. इन लोगों के सारे सपोर्ट के बावजूद बौखलाई हुई सत्ता ने राहुल जी को आनन-फानन में 24 घंटे के अंदर निकाल भी दिया, सदस्यता भी खारिज करवा दी और घर भी खाली करवा दिया.

नीतीश कुमार बन सकते हैं इंडिया के संयोजक, सोनिया गांधी को चेयरपर्सन बनाने की अटकलें

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडिया की अगली बैठक से पहले कई तरह अटकलें लगाई जा रही हैं. अगले लोकसभा चुनाव में बीजेपी के खिलाफ एकसाथ मैदान में उतरने के मकसद से 26 विपक्षी दलों ने महागठबंधन बनाया है. जिसकी अगली बैठक 31 अगस्त और 1 सितंबर को मुंबई में होगी. इससे पहले सियासी गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस गठबंधन में बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है. टीओआई के अनुसार सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार को इंडिया का संयोजक और सोनिया गांधी को चेयरपर्सन बनाया जा सकता है. शिवसेना का उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाला गुट मुंबई में विपक्ष की बैठक की मेजबानी करेगा. बिहार के महागठबंधन के सूत्रों ने कहा कि इंडिया के सभी प्रमुख सहयोगियों के शीर्ष नेता और कांग्रेस नेतृत्व संयोजक के रूप में नीतीश कुमार के नाम पर सहमत हुए हैं. मुंबई बैठक में इसकी औपचारिक घोषणा की जा सकती है. सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस नेता चाहते हैं कि 11 सदस्यीय समन्वय समिति का नेतृत्व सोनिया गांधी करें. वह यूपीए की अध्यक्ष रही हैं. महागठबंधन के एक वरिष्ठ नेता ने शनिवार को टीओआई को बताया कि या तो सोनिया या उनकी ओर से नामित कोई व्यक्ति समन्वय समिति का प्रमुख होगा.

जम्मू-कश्मीर में जल्द होंगे विधानसभा चुनावः एलजी मनोज सिन्हा का बड़ा बयान

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के संबंध में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बड़ा बयान दिया है. न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, मनोज सिन्हा ने रविवार (6 अगस्त) को कहा, परिसीमन और मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम खत्म हो गया है. इसी के साथ उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव पर निर्णय लेना चुनाव आयोग का विशेषाधिकार है. एलजी मनोज सिन्हा के इस बयान के बाद उम्मीद की जा रही है कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा का चुनाव जल्द हो सकता है. केंद्र शासित प्रदेश में सक्रिय राजनीतिक

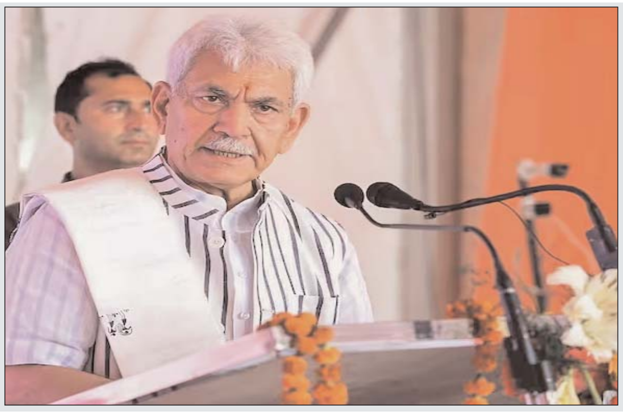

दल लंबे समय से राज्य में चुनाव कराने की मांग करते आ रहे हैं. इनमें जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अबदुल्ला जोरदार तरीके से चुनाव को लेकर अपनी बात कहते आए हैं और इस संबंध में बीजेपी नीत केंद्र सरकार को घेरते भी रहे हैं. 26 जुलाई को उमर अब्दुल्ला ने अपने एक ट्वीट में आरोप लगाया था कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि बीजेपी जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की अनुमति देने से बहुत डर रही है. इसी के साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा, लोगों को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में कोई आतंकी घटना नहीं हो, हम इसे सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं. घाटी के माहौल के बारे में उन्होंने कहा, पाकिस्तान के उकसावे पर सामान्य जीवन को बाधित करने वाले अलगाववादियों और अन्य लोगों का दौर इतिहास की बात हो गया है. बता दें कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद 370 को हटा लिया गया था और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया था. पहले अनुच्छेद 370 के तहत राज्य को विशेष स्वायत्तता मिली हुई थी. इसके हटने के बाद कहा गया था कि समय आने पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस मिलेगा और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बना रहेगा. तब से जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के चुनाव का इंतजार किया जा रहा है.

एक नजर...

सेक्टर आफिसर एवं जिला शिक्षा अधिकारी ने करैरा सेक्टर 42 के 8 मतदान केंद्रों का किया अवलोकन, सूची का किया वाचन

करैरा (शिवपुरी)। विधानसभा निर्वाचन 2023 के करैरा नगरीय क्षेत्र क्रमाक 42 के सेक्टर आफिसर एवम जिला शिक्षा अधिकारी एस एस राठौर ने आज उत्कृष्ठ विद्यालय स्थित मतदान केंद्रों पर पहुंच कर मतदाता सूची का वाचन किया। इस दौरान केंद्रों में स्थित दो दरवाजे, खिड़कियां, रैम्प, पहुंच मार्ग आदि का अवलोकन कर उचित निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह आम चुनाव है, कोई भी नवीन मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रह पाए। आप लोग सभी 18 वर्ष के नवीन मतदाताओं के नाम शत प्रतिशत जोड़ ले। कोई महत्वपूर्ण व्यक्ति छूट न जाए इसलिए अपने अपने क्षेत्रों के एसे लोगो को फ्लेगिंग कर ले। उन्होंने मतदान केंद्र क्रमांक 227, 228, 239 पर पहुंचकर सूची का वाचन किया। तत्पश्चात अन्य मतदान केंद्र भी देखे।कुछ डिलीट हुए मतदाताओं का भौतिक रूप से सत्यापन भी किया।

उत्कृष्ठ विद्यालय के नवीन प्राचार्य कक्ष का लोकार्पण किया

करैरा। उत्कृष्ठ विद्यालय करैरा के प्राचार्य कक्ष का डीईओ एस एस राठौर ने लोकार्पण किया। प्राचार्य कक्ष बहुत छोटा, पुराना वा जर्जर हालत में था। जिसमे पूरा स्टाफ भी नही बैठ पाता था। इसी को दृष्टिगत रखते हुए प्राचार्य अरविंद यादव एवम वरिष्ठ शिक्षक संजू दुबे ने उसी कक्ष को आधुनिक रूप देकर नवीन कक्ष का निर्माण कराया। जिसका आज डीईओ श्री राठौर ने लोकार्पण किया वा नवीन सुसज्जित कक्ष की सराहना की। इस दौरान बी ई ओ जगभान सिंह लोधी, प्राचार्य अरविंद यादव, संजू दुबे, वरिष्ठ शिक्षक ब्रजेंद्र सिंह बैस, प्रतिपाल सिंह सेंगर, बीएलओ भारत भूषण भार्गव, शिवम सिसोदिया, अजीज खान, रामदेव राम भगत, सहित स्टाफ ब क्षेत्र के मतदाता मौजूद रहे।

पंकज आहूजा बने मध्यप्रदेश कांग्रेस विधि एवं मानवाधिकार के प्रदेश सचिव

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मान. कमलनाथ जी, राज्यसभा सांसद श्री दिग्विजय सिंह जी, पूर्व मंत्री पिछोर विधायक श्री के पी सिंह जी कक्काजू, पूर्व मंत्री राघौगढ़ विधायक श्री जयवर्धन सिंह जी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष पंडित श्रीप्रकाश शर्मा जी की अनुशंसा पर, कांग्रेस लीगल सेल प्रदेश अध्यक्ष श्री शशांक शेखर जी, लीगल सेल प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अजय पाल सिंह जी, जिला कांग्रेस प्रभारी श्रीमती रश्मि पवार शर्मा जी, शिवपुरी जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री विजय चौहान जी के आदेशानुसार, श्री पंकज आहूजा जी को मध्यप्रदेश कांग्रेस विधि एवं मानवाधिकार का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया। इसके पश्चात शिवपुरी जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय शिवपुरी पर एवं जिला अभिभाषक संघ शिवपुरी द्वारा स्वागत कार्यक्रम संपन्न हुआ। सभी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ भाई बहनों का आशीर्वाद और स्नेह प्राप्त हुआ। सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद एवं साधुवाद।

अवैध उत्खनन पर माइनिंग और पुलिस की संयुक्त कार्यवाही

कल्याणपुर घाट पर छापामार कार्यवाही, रेत उत्खनन में पनडुब्बी सहित परिवहन कर रहा डम्फर किया जब्त

जिला ब्यूरो राजेश नरवरिया

शिवपुरी। कलेक्टर रविन्द्र चौधरी के निर्देशों को धता बताने वाले खदान माफिया लगातार अपने अवैध कारोबार को संचालित कर रहे है जबकि कलेक्टर के द्वारा सख्त निर्देश दिए गए है कि किसी भी हाल में अवैध उत्खनन और परिवहन आगामी 01 सितम्बर तक प्रतिबंधित रहेगा बाबजूद इसके अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए कलेक्टर के निर्देशन में प्रभारी खनिज अधिकारी अनूप श्रीवास्तव के द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई है। सूचना मिलने पर अनूप श्रीवास्तव रेत के उत्खनन के रूप में पहचाने जाने वाली खदान कल्याणपुर में अवैध उत्खनन और परिवहन को लेकर औचक निरीक्षण करने पहुंचे जहां खनिज विभाग की टीम के साथ इस कार्यवाही को अंजाम दिया गया। यहां प्रभारी खनिज अधिकारी अनूप श्रीवास्तव के द्वारा कल्याणपुर खदान पहुंचे तो यहां मौके पर पानी में उतरी पनडुब्बी को स्वयं आग लगाकर मौके पर ही नष्ट किया ।और मौके पर ही एक डम्फर को भी जब्त किया गया। इस कार्यवाही में खनिज विभाग के इंस्पेक्टर वीरेन्द्र वर्मा भी अपने अमले के साथ मौजूद रहे। अनूप श्रीवास्तव ने क्षेत्रवासियों और अवैध उत्खनन व परिवहन करने वालों को सख्त निर्देश दिए है कि किसी भी रूप में क्षेत्र में अवैध उत्खनन और परिवहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, इस कारोबार में लिप्त रहने वालों पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसलिए अभी से ऐसे लोग जो इस कारोबार में जुड़े हुए है वह शासन के नियमों का पालन करें अन्यथा इसी तरह कार्यवाही के लिए तैयार रहें। अनूप श्रीवास्तव की इस ताबड़तोड़ रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन को लेकर कल्याणपुर खदान पर हुई कार्यवाही से खनन माफियाओ में भी हड़कंप की स्थिति निर्मित हुई।

घंटी बजाओ कार्यक्रम के तहत पुरानी पेंशन के लिए समस्त विभाग के कर्मचारियों ने दिया विधायक को ज्ञापन

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। दिनांक 6 अगस्त को घंटी बजाओ कार्यक्रम के तहत पुरानी पेंशन के लिए समस्त विभाग के कर्मचारियों सहित शिवपुरी जिले के कोलारस विधानसभा से विधायक वीरेंद्र सिंह रघुवंशी को ज्ञापन सोपा गया जिसमें पुरानी पेंशन की मांग की गई हालांकि ज्ञापन की तैयारी कल शाम को 1 घंटे में ही कर ली गई थी जिसमें मनमोहन जाटव, धर्मेंद्र रघुवंशी, पवन शर्मा, प्रदीप नरवरिया, रमेश सिंह गुर्जर को सूचना देकर संगठन के लोगों तक मैसेज भेजे गए और सुबह लगभग 150 अध्यापक साथी एकत्रित हो गए क्योंकि व्यक्ति ने 10:00 बजे का समय दिया था इसलिए समय पर सभी साथी उपस्थित हुए उपस्थित होने वाले साथियों में राजेश सेन, मुकेश सक्सेना, दिनकर निखरा, योगेश मोहन श्रीवास्तव, महावीर शर्मा, बृजेश धाकड़, उमेश करारे, जितेंद्र सिंह कुशवाहा, गजानन शर्मा, देवेंद्र शर्मा, जितेंद्र कुमार शर्मा, मनोज कुमार बाथम, विष्णुपंत, श्रवण कुमार बाथम, राजेश शर्मा, माझी राम बाथम, प्रमोद कुमार पबार, महेश प्रजापति शिक्षक कांग्रेस के अध्यक्ष श्री संतोष व्यास रब्बू चढ़ार मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस शिवपुरी से जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा आदरणीय कविता कुशवाहा जी प्रतिभा गंधर्व राधेश्याम शर्मा केशव नारायण शर्मा मुन्ना लाल योगी हाकिम सिंह यादव जितेंद्र कुमार शर्मा महेंद्र गोस्वामी रामलाल रावत विजय मंडेरिया मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के संभागीय अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र सिंह परमार सुगन चंद ओझा मिट्ठू लाल साहू धर्मेंद्र कुमार साहू राजेश कुमार शर्मा मयंक शर्मा महेश कुमार कुशवाहा मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के विकासखंड अध्यक्ष श्री केसब बड़ोदिया आदि लगभग 150 लोग उपस्थित हुए विधायक जी द्वारा आश्वासन दिया गया कि इसको हम माननीय मुख्यमंत्री तक पहुंचा देंगे और कल आपको रिसीव के रूप में पत्र देंगे।

10 अगस्त को दिल्ली के रामलीला मैदान में जुटेंगे केंद्र और राज्य के लाखों कर्मचारी: जनक सिंह रावत

पुरानी पेंशन के लिए रामलीला मैदान से संसद तक होगा मार्च

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। पुरानी पेंशन के लिए केंद्रीय एवं राज्य के कर्मचारियों का 10 अगस्त को दिल्ली के रामलीला मैदान पर होगा महा आंदोलन रामलीला मैदान से संसद भवन की ओर करेंगे कूच अखिल भारतीय पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक जनक सिंह रावत द्वारा बताया गया कि 10 अगस्त को दिल्ली के रामलीला मैदान पर एनजेसीए एवं सभी विभागों के कर्मचारी संगठनों द्वारा जिसमें केंद्रीय कर्मचारी एवं राज्यों के कर्मचारी पुरानी पेंशन के लिए महा

आंदोलन करेंगे और दिल्ली के रामलीला मैदान से संसद तक कूच भी करेंगे इस महासम्मेलन में 5 लाख से अधिक कर्मचारियों के एकत्रित होने की संभावना है एनजेसीए के नेतृत्व में रेलवे इनकम टैक्स,शिक्षा विभाग स्वास्थ्य विभाग केंद्र के सभी विभागों के कर्मचारी संगठनों एवं राज्यों में कार्यरत पेंशन विहीन कर्मचारियों द्वारा सहयोग किया जा रहा है संगठन सभी कर्मचारियों से अपील करता है अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली पहुंच कर महा आंदोलन को सफल बनाएं इस कार्यक्रम में रेलवे से शिव गोपाल मिश्रा,मनजीत सिंह पटेल दिल्ली जसविंदर सिंह तलवाड़ा पंजाब सहित देश के 20 से अधिक राज्यों के कर्मचारी एवं केंद्र के कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

आगामी चुनावों के मद्देनजर अवैध हथियारों पर शिवपुरी पुलिस की कार्यवाही

पुलिस थाना इंदार द्वारा अवैध हथियार रखने बालों पर कार्यवाही करते हुये एक आरोपी को 315 बोर के देशी कट्टे व एक जिंदा राउण्ड के साथ किया गिरफ्तार

राकेश परिहार पिछोर

कोलारस। पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा आगामी विधानसभी चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए अवैध हथियार रखने वालों के विरुध्द विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किय गया है । इस पर श्री अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण कुमार भूरिया के एवं एसडीओपी कोलारस श्री विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन में कार्यवाही करते हुये पुलिस थाना इन्दार द्वारा 315 बोर व एक जिंदा राउण्ड के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर कार्यवाही की है । आज दिनांक 06.08.2023 को थाना प्रभारी इन्दार दिनेश सिंह नरवरिया को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति खतौरा मे स्टेडियम के पास अवैध हथियार कट्टा लिये हुई कोई वारदात करने की नियत से खड़ा है, उक्त सूचना पर तत्परता से कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंची और वहां जाकर देखा तो मुखबिर के बताये हुलिये का आदमी मिला जो पुलिस को आता देख भागने की काशिश करने लगा जिसे हमराह फोर्स की मदद से पकड़ा और उससे नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम छोटू उर्फ आनन्दम पुत्र देवीलाल परिहार उम्र 26 साल निवासी खतौरा थाना इन्दार का होना बताया, पुलिस द्वारा संदेह होने पर उक्त व्यक्ति की तलासी ली तो उसके कब्जे से एक 315 बोर का देशी कट्टा व एक जिन्दा राउण्ड मिला जिसे बिधिवत जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर थाना इंदार पर अपराध क्रमांक 165/2023 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट कायम कर आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया गया है । उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी इन्दार दिनेश सिंह नरवरिया, सउनि बजरंग सिंह जादौन, सउनि देशराजसिंह भील, आर 814 महेशसिंह की सराहनीय भूमिका रही है ।

सुरेंद्र राजे बने भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी से विधानसभा अध्यक्ष

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जी व मा. साहब कांशीराम जी एवं बहुजन महापुरूषों की विचारधारा, बहुजन हिताय बहुजन सुखाय को निरन्तर आगे बढ़ाने के लिऐ, प्रदेश अध्यक्ष मा. सुनील अस्तेय जी, के निर्देशानुसार, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) म.प्र. की शिवपुरी जिले की शिवपुरी विधानसभा क्रं.5 के विधानसभा अध्यक्ष पद पर सुरेंद्र राजे को नियुक्त किया गया।

नगर परिषद चाचौड़ा बीनागंज पार्षद प्रतिनिधि द्वारा किया गया स्वागत

चाचौड़ा से अमित शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह जी तोमर का स्वागत पार्षद प्रतिनिधि श्री बाबूलाल माली द्वारा बीनागंज में केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह जी तोमर का भव्य स्वागत किया गया इस अवसर पर उनके साथ भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे हार फूल माला पहनाकर केंद्रीय मंत्री जी का स्वागत किया गया एवं पुष्प वर्षा की गई।

चाचौड़ा विधानसभा के अंतर्गत नगर बीनागंज में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ संपन्न

योगेश शर्मा संवाददाता
पुष्पांजलि टुडे

बीनागंज कृषि उपज मंडी में नरेंद्र सिंह तोमर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री की अध्यक्षता में भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मेलन संपन्न हुआ नरेंद्र सिंह जी तोमर के अनुसार मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार बन रही है श्री नरेंद्र सिंह जी तोमर ने भाजपा चुनाव समिति के संयोजक भी है उन्होंने बूथ कार्यकर्ता बूथ समिति अध्यक्ष महामंत्री मंडल मोर्चा की कार्यकारिणी पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारी एवं भाजपा समर्थित जनप्रतिनिधियों को संबोधित किया पूर्व विधायक ममता मीना ने भी भाजपा कार्यकर्ता व बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

दो-दो फर्द फुल्ली बना कर बिना अमल बटवारे और पट्टे जारी करने का मामला आया सामने, किसान दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा
पुष्पांजली टुडे

मामला गुनौर तहसील अंतर्गत तिदुन्हाई हल्के का है जहां वर्ष 2020 में पदस्थ तात्कालिक पटवारी मधुर गर्ग द्वारा हल्कू पिता सेवा ढीमर का बटवारा उसके पुत्रों के मध्य कर दिया गया जिसके लिए जहां बकायदा दो दो फर्द फुल्ली बना कर गोल झाल किया गया,एक फर्द फुल्ली जो की आरसीएमएस रिकॉड में दर्ज है उसमे 896 रकवा नंबर कंप्यूटर में दर्ज ही नही है तो दूसरी ओर चतुर्थ पक्षकार राजकुमार पिता हल्कु ढीमर के हिस्से में आया खसरा नंबर 896/4 एवम899/4 रकवा प्रत्येक 0.05 हेक्टेयर कुल 0.10 हेक्टेयर जमीन आई लेकिन न जाने पटवारी ने कौन सी गणित पढ़ी है जो उसे कुल 0.45 हेक्टेयर जमीन बटवारा में दिखा दी। बटवारा होने के बाद फिर पटवारी द्वारा दूसरी फर्द फुल्ली बना कर अपनी गलतियों को छिपाने के उद्देश्य से जालसाजी करते हुए बटवारा दर्शाया है। किसान को जारी किए गए पट्टे जिनके अमल की प्रक्रिया नहीं है महज कागज के टुकड़े है जिसे लेकर आज 70 वर्षीय बुजुर्ग किसान तहसील के चक्कर लगा लगा कर परेशान है और अपने लिए न्याय को गुहार लगा रहा है। वैसे जिन पटवारी के कारनामों की चर्चा हो रही है वो एक महिला पटवारी है जिनका निवास देवेंद्र नगर है जो ज्यादा तर अपने निज निवास से ही कार्य संपादित करने के लिए मशहूर है,मुख्यालय में इनका न तो निवास है न ही नियमित आना जाना होता है। हद तो ये है की अभी भारी बारिश के दौरान वर्तमान हल्के ककरहटा में जब पानी उफान पर था और बाढ़ जैसे हालात है तब भी ग्रामवासियों का कहना है की मैडम हल्का नही आई।

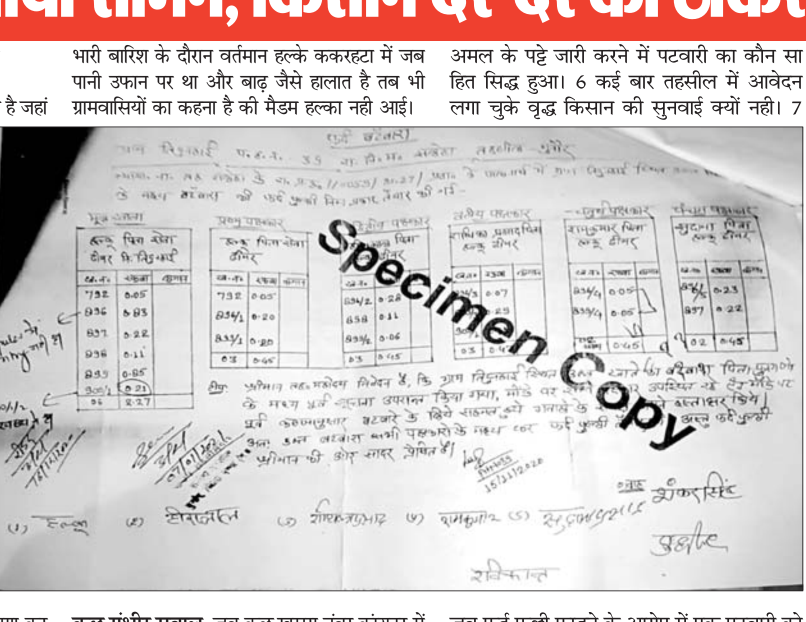

कुछ गंभीर सवाल–जब कुछ खसरा नंबर कंप्यूटर में दिख ही नही रहे है तो बटवारा किस आधार पर पटवारी ने कर दिया। 2 दो दो फर्द फुल्ली बनाना जालसाजी है या नही। 3 आखिर जब रिकॉर्ड को लेकर असमंजस की स्थिति थी तो पटवारी द्वारा बटवारा की जल्दी क्यों? 4 गलती की सजा पटवारी को जगह बुजुर्ग किसान को क्यों मिल रही है। 5 बिना अमल के पट्टे जारी करने में पटवारी का कौन सा हित सिद्ध हुआ। 6 कई बार तहसील में आवेदन लगा चुके वृद्ध किसान की सुनवाई क्यों नही। 7 जब फर्द फुल्ली फाड़ने के आरोप में एक पटवारी को अमानगंज अटैच कर सही नसीहत दी गई तो दो दो फर्द फुल्ली बना कर जालसाजी करने वाले पटवारी पर क्या होगी कार्यवाही। इस संबंध में हल्का पटवारी से संपर्क करने पर सिफारिशें लगवा कर इस खबर को दबाने का प्रयाश किया गया लेकिन इस विषय पर कोई जवाब नही दिया गया।

किसने क्या कहा

मैं तो गरीब अनपढ़ किसान हूं मैने तो पटवारी साहब से बटवारा के लिए कहा तो उन्होंने दस्तावेज लेकर पट्टे बना दिए लेकिन अब उन पट्टों का में क्या करू जब उसका कोई अमल नहीं है न मुझे कोई सासन की योजनाओं का लाभ मिल पा रहा है न ही कर्ज में बहुत परेशान हूं।

हलकु ढीमर, किसान तिदुन्हाई

में अभी तिदुन्हाई आया हूं किसान के पट्टे में अमल नहीं है पहले के पटवारी ने क्या किया इसमें मैं कोई कॉमेंट नहीं करूंगा लेकिन किसान परेशान तो है उसे एसडीएम साहब के यहां आवेदन कर समस्या का निराकरण मिल सकता है।

शंकर दयाल शुक्ला
वर्तमान पटवारी, तिदुन्हाई

किसान मेरे न्यायालय में आवेदन कर दे तो विषय को देखते हुए उनकी समस्या का निराकरण कर दिया जायेगा,रही पटवारी गलत है या नही ये जांच का विषय है आवेदन के माध्यम से संज्ञान में आने पर जांच की जाएगी।

कुशल सिंह गौतम
एसडीएम, गुनौर

गृहमंत्री पर एफआईआर दर्ज कराने कोतवाली पहुंचे कांग्रेसजन

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को इच्छाधारी नाग कहकर गृहमंत्री ने किया है, कार्यकर्ताओं का अपमान माफी मांगे गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला कांग्रेस का एक दल आज सिटी कोतवाली में प्रदेश के गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ शिकायती आवेदन लेकर पहुंचा। कांग्रेस प्रवक्ता डॉ अनिल भारद्वाज ने कोतवाली पहुंचकर आवेदन दिया और बाकायदा रिसीव भी प्राप्त की। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष राम किशोर भारद्वाज सहित करीब 2 दर्जन से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस के जिला प्रवक्ता डॉ अनिल भारद्वाज ने अपने शिकायती आवेदन पत्र में लिखा है, कि प्रार्थी कांग्रेस कार्यकर्ता होते हुए हिन्दु धार्मिक परम्पराओं का पालन करता चला आ रहा है। उन्होंने आगे लिखा है कि प्रदेश के गृहमंत्री मध्य प्रदेश शासन नरोत्तम मिश्रा द्वारा जबलपुर म.प्र. में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस कार्यकताओं को इच्छाधारी हिन्दू कहा था यह भी कहा कि चुनावी समय पर ही काग्रेस कथा करवाने तथा मंदिर जाते हैं और जैसे ही चुनाव समाप्त होत तो सब भूल जाते हैं। उक्त वक्तव्य प्रदेश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ तथा न्यूज चैनलों पर भी प्रसारित हुआ, जिसके कारण प्रार्थी के रिश्तेदार एवं परिचित लोग प्रार्थी को हीन दृष्टि से देखते हुये प्रार्थी को

इच्छाधारी हिन्दू कहकर मेरे सम्मान को ठेस पहुंचा रहे तथा नातेदारों व परिचितों ने प्रार्थी विच्छेद कर लिये है आरोपी के उक्त वक्तव्य से प्राथनमा देख पा रहा है, जिसके कारण प्रार्थी का घर से निकलना मुश्किल हो गया है।उन्होंने प्रश्न किया क्या भाजपा में कार्य करने वाले लोग ही हिंदू है, और कांग्रेस में काम करने वाले गैर हिन्दू ,एक गृहमंत्री जैसे जिम्मेदार व्यक्ति को इस तरह की टिप्पणी अनुचित है,भारत के संविधान ने ये अधिकार दिया है हम किसी भी दल में कार्य कर सकते है। मुख्यमंत्री को उन्हे तत्काल पद से हटा देना चाहिए। पत्रकारों के प्रश्न का जवाब देते हुए श्री भारद्वाज ने कहा अगर पुलिस प्रकरण दर्ज नहीं करती तो हम न्यायालय की शरण में जाएंगे। पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट रामकिशोर भारद्वाज ने कहा गृहमंत्री का ये बयान पूर्णता अनुचित है, उनके खिलाफ तत्काल प्रभाव से आईपीसी की धारा 295ए,और 298 के तहत प्रकरण दर्ज होना चाहिए। यहां बता दें कि गत रोज प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा के द्वारा जबलपुर में प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरुद्ध यह टिप्पणी की गई थी कि कांग्रेस कार्यकर्ता इच्छाधारी नाग जैसे हैं उन्हें केवल चुनाव के समय ही भगवान श्रीराम की याद आती है और वे चुनाव से पहले रामकथा का आयोजन करवाते हैं और उसके बाद भूल जाते हैं। आवेदन देते समय कांग्रेस प्रवक्ता डा.अनिल भारद्वाज के साथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष वरिष्ठ नेता एड.रामकिशोर भारद्वाज, व्यापार कांग्रेस अध्यक्ष संजय भूता,बाल कांग्रेस के सहप्रभारी सचिन दुवेदी,लीगल सेल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष हिमांशु शर्मा, एन.एसयूआई के जिला उपाध्यक्ष आयुष मिश्रा,शहर उपाध्यक्ष पीसी दीक्षित,संजीव बरुआ,छोटू दुबे,अंकित यादव,पवन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

बोलेगा बचपन प्रतियोगिता

तुसार मिश्रा गरियाबंद

अमलीपदर -हम सभी के जीवन में ऐसा अवसर आता है जब हमें पहली बार मंच पर बोलने का अवसर मिलता है और हमें कुछ भी नहीं सूझता कि हमें क्या बोलना चाहिए। हम लोगों में से अधिकतर लोगों के जीवन में ऐसा असर उनकी बचपन में ही आता है। स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में मंच से बोलने की हिचकिचाहट को दूर करने के लिए एवं उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन गरियाबंद द्वारा बोलेगा बचपन नाम का अभियान प्रारंभ किया गया है । इस अभियान के के अन्तर्गत स्कूल जाने वाले विद्यार्थी मे से प्रतिदिन दो विद्यार्थी प्रातः प्रार्थना सभा के समय अपना परिचय, आज का सुविचार एवं उस दिवस की पाँच सबसे बड़ी ख़बर सब को अख़बार से पढ़कर सुना रहे है। जिससे बच्चो में मौखिक अभिव्यक्ति कौशल बढ़ेगा। बच्चो में आत्मविश्वास और उत्साह बढ़ेगा। बच्चो की कल्पनाशीलता बढ़ेंगी। स्कूल की भाषा के शब्दावली का विकास होगा, उस भाषा की समझ बढ़ेगी। बच्चो में तर्क क्षमता बढ़ेगी।

पठन और लेखन कौशल मजबूत होगी। एवं स्कूल के अन्य विद्यार्थियों को देश दुनिया की महत्वपूर्ण ख़बरों के बारे में पता चल पाएगा । इस कार्यक्रम का आज का शासकीय कन्या प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला, उ.मा. शाला अमलीपदर विकासखंड मैनपुर में जिला शिक्षा अधिकारी डी एस चौहान ज़िला मिशन समन्व्यक के एस नायक जिला नोडल श्याम चंद्राकर मनोज केला विकासखंड शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर मिश्रा बीआरसीसी शिवकुमार नागे सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी यशवंत बघेल एवं संकुल प्राचार्य आलोक राव वाघे,संकुल समन्वयक भागीरथी नागेश के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता आयोजित किया गया जिसमें विजेता छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

लहार में डॉ. गोविंद सिंह के प्रति आस्था, बड़ी संख्या में भाजपा-बसपा छोड़ कई लोग कांग्रेस में हुए शामिल

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह की कार्यशैली से प्रभावित होकर कांग्रेस के प्रति आस्था जाहिर करते हुए बड़ी संख्या में भाजपा-बसपा के लोग शामिल हुए हैं,जिनमें टोला रावतपुरा के ओपी त्रिपाठी,अशोक भारद्वाज, राजकुमार भारद्वाज,शैलेंद्र भारद्वाज, बसपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए। कांग्रेस में शामिल होने वाले सभी लोगों ने डॉ गोविंद सिंह और कांग्रेस पार्टी के प्रति पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करने का एलान किया। लहार विधानसभा में दौड़ी कांग्रेस की लहर भाजपा - बसपा छोड़ बड़ी संख्या में जुड़ रहे कांग्रेस में लोग, सुबह इमलाहा में भाजपा छोड़ राजू सिंह राजावत बसंतपुरा, बलवीर प्रसाद गौड़, इमलाहा, नरेश सिंह राजावत नौधा, राज किशोर नौधानी, दोपहर में दीपक विमल, विशाल सरल, सोनू खान, आशिफ पठान, पवनसिंह परिहार, सानु दोहरे, नरेश रायपुरिया, मुनेश रायपुरिया, मुकेश रायपुरिया, भारत रायपुरिया, आकाश रायपुरिया, यश गुप्ता, सोमू रायपुरिया, नितेश गौतम, वीरू लहरी, संतान सिंह मल्होत्रा बसपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए।जिस तरह से एक दिन में सुबह- दोपहर-शाम तक भाजपा-बसपा छोड़ कांग्रेस में लोग शामिल हुए लोगों में जिस तरह से भारी उत्साह कांग्रेस के प्रति देखा जा रहा है इससे साफ है लहार में कांग्रेस की लहर दौड़ रही है।

पिछड़ा वर्ग चिंतन शिविर में उठी, जिले में पिछड़ा वर्ग को टिकिट देने की मांग

ओबीसी समाज ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष को प्रदेश नेतृत्व के नाम सौपा ज्ञापन पत्र

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पिछड़ा वर्ग राजनीतिक चिंतन शिविर का आयोजन रानी अवंतीबाई समुदायक भवन में किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस जिलाध्यक्ष मान सिंह कुशवाह मौजूद रहे साथ ही ओबीसी समाज के सभी वर्ग के नेतागण उपस्थित रहे। एव उपस्थित ओबीसी महासभा के पदाधिकारी धर्मेंद्र कुशवाह व लोकेंद्र गुर्जर द्वारा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ,नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह के नाम ज्ञापन पत्र सोपा गया। ज्ञापन पत्र में मांग करते हुए कहा भिंड जिले में एक टिकिट पिछड़ा वर्ग को दिया जाए,भिंड जिले में पांच विधानसभा क्षेत्र है,जिसमे एक विधानसभा क्षेत्र गोहद अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित हैं एव चार शेष विधानसभाओं में से किसी भी विधानसभा पर ओबीसी समाज को टिकिट दिया जाए,हम ओबीसी समाज उसे जीता कर भोपाल भेजने का काम करेगा। भिंड जिले में ओबीसी की 58त्न प्रतिशत जनसंख्या हे। भिण्ड-दतिया लोकसभा क्षेत्र में पिछडा वर्ग बहुत तादाद में है,जिसका लाभ आने वाली लोकसभा में भी कॉंग्रेस पार्टी को मिलेगा इसी क्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा ने कहां कांग्रेस पार्टी ने हमेशा पिछड़े वर्ग के हितों का ध्यान रखा है। श्री कमलनाथ की सरकार में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण व जिले में भी संगठन में पिछड़े वर्ग को भागीदारी देने का काम किया इसी बात पर पिछड़ा वर्ग के उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर कमलनाथ जी का आपका आभार व्यक्त किया ।और कहा आप सबके माध्यम से जो मांग की गई,उसको हम अपने प्रदेश के मुखिया पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ,राजा दिग्विजय सिंह,एव नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह के समक्ष रखेंगे। इसी क्रम में बारी बारी से सभी वक्ता जय श्री राम बघेल, रणजीत सिंह गुर्जर,सोमराज सिंह नरवरिया, परजीत सिंह लोधी, सुशीला नरवरिया, जनक सिंह बघेल, पूर्व सरपंच केशव सिंह यादव, वीरेंद्र यादव,डॉ महेश नरवरिया, चंद्रेश नरवरिया ने अपने विचार रखे।कार्यक्रम का आभार महेश जाटव के द्वारा किया गया।

हनुमान पुलिस की बड़ी कार्यवाही 1439 शीशी के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार

थाना प्रभारी चेतन मार्शकोले के नेतृत्व में हुई कार्यवाही

दैनिक पुष्पांजलि टुडे
शिवम तिवारी (ब्यूरो चीफ रीवा)

रीवा। पुलिस अधीक्षक विवेक कुमार सिंह व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक कुमार लाल के निर्देशन पर एसडीओपी नवीन दुबे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चेतन मार्शकोले के नेतृत्व मे हनुमना पुलिस टीम ने उत्तरप्रदेश से आ रही कफ सिरफ के तश्करी करने वाले 3 आरोपियो को 1439 सीसी के साथ गिरफ्तार कर लिया है आपको बता दे कि हनुमना पुलिस को मुखबिर की सूचना पर सफेद कलर की होंडा कार क्रमांक द्व्द्ध/02/ड्ड4/5839 से अवैध नशीली कफ सिरफ की खेप उत्तरप्रदेश की तरफ से आने वाली है जो बड़कुड़ा बार्डर से हनुमना थाना क्षेत्र में प्रवेश करने वाली है जिस पर हनुमना पुलिस ने विधिवत पंचानमा कार्यवाही कर पुलिस टीम के साथ घेरा बंदी कर होंडा कार में नसीली कफ सिरफ के साथ 1439 सीसी के साथ 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है वहीं पुलिस टीम तीनों आरोपियों के साथ पूछ ताछ कर रही है जिस पर अपराध क्रमांक 354/23 धारा 8,21,22 एनडीपीएस एक्ट 5/13 ड्रग कंट्रोल एक्ट के तहत कार्यवाही कर विवेचना में लिया गया जिसमे आरोपी अमन खान पिता मुख्तार खान उम्र 19 वर्ष पहाड़ी बस्ती थाना हनुमना सोनू गुप्ता पिता राजेंद्र प्रसाद गुप्ता उम्र 26 वर्ष चकभाटी टोला मऊगंज इब्रारार खान पिता मुमताज खान उम्र 28 वर्ष निवासी घुरेटा थाना मऊगंज को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया उक्त कार्यवाही में उपनिरीक्षक चेतन मार्सकोले उपनिरीक्षक प्रज्ञा पटेल सहायक उपनिरीक्षक संतोष सिंह चौहान इंद्रेश पांडेय अमर सिंह आरक्षक नितिन शुक्ला आरक्षक शिव दुबे आरक्षक कन्हैया सिंह आरक्षक दिवाकर सिंह आरक्षक विकास सिंह देव प्रताप सिंह आरक्षक राकेश वर्मा अमन सोलंकी रत्नाकर सिंह सुभम दुबे अल्का सिंह की भूमिका सराहनीय रही।

विधानसभा अध्यक्ष ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को किया सम्मानित

दुनिया में ऐसा काम करें कि हमेशा आपका नाम रहेः विधानसभा अध्यक्ष

दैनिक पुष्पांजलि टुडे, शिवम तिवारी (ब्यूरो चीफ रीवा)

रीवा। सूफी इकरा प्रतिभा सम्मान समिति द्वारा सूफी मस्जिद के पास सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों तथा समाजसेवियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि असफलता अंतिम नहीं होती है। हर असफलता हमारे सफलता के प्रयासों में रह गई कमी की ओर इशारा करती है। जिस तरह असफलता मिलती है उसी तरह एक दिन सफलता भी मिलती है। जब हम सच्चे मन से सफलता के लिए प्रयास करते हैं तो हमारा सफल होना सुनिश्चित है। परीक्षा को पास कर लेना सरल है लेकिन परीक्षा में टॉप पर आने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है। आज दो बेटियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त कर रीवा को गौरवमयी बनाया है। आप दुनिया में ऐसा काम करें कि हमेशा आपका नाम रहे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सम्मान पत्र केवल कागज का टुकड़ा नहीं है। यह जीवन को नई दिशा देने का मंत्र है। आज जिन तीन छात्राओं को सम्मानित किया गया है उन्हें मेरी ओर से 25-25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। समारोह में समिति के अध्यक्ष इलियास खान ने कहा कि समिति द्वारा 2009 से विद्यार्थियों और समाजसेवियों का लगातार सम्मान कर रही है। आज 315 विद्यार्थियों तथा समाजसेवियों को सम्मानित किया जा रहा है। समारोह में समाजसेवी तथा अपने समय के फुटबाल के मशहूर खिलाड़ी प्रोफेसर अमीरउल्ला खान, समाजसेवी अकबर निजामी तथा समाजसेवी हाजी मोइनुद्दीन को सम्मानित किया गया। समारोह में कक्षा 10वीं में 95.2 प्रतिशत अंक पाने वाली यास्मीन बानो, कक्षा 12वीं में 94.1 प्रतिशत अंक पाने वाली सानिया खान तथा नेट परीक्षा में सफल होने वाली नरगिस परवीन को भी सम्मानित किया गया। समारोह में समिति के सचिव मोहम्मद अमीन, उपाध्यक्ष अब्दुल राशिद तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

अमरपाटन के गोरसरी पहाड़ से निकाली जा रही 1500 मीटर सुरंग की खुदाई पूर्ण

पुष्पांजली टुडे, राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

जल जीवन मिशन के तहत जिला सतना के विकासखंड अमरपाटन, रामनगर, मैहर, उचेहरा, रामपुर बघेलान के 1019 ग्रामों के 17.50 लाख जनसंख्या को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए सतना बाणसागर समूह जल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है । जिसका कार्य मैसर्स एल एंड टी कंस्ट्रक्शन, चेन्नई द्वारा मध्य प्रदेश जल निगम मर्यादित सतना के निर्देशन में किया जा रहा है। इस परियोजना में ग्राम मनकहरी से ग्राम खरमसेड़ा के बीच गोरसरी पहाड़ पर 1500 मीटर लंबाई तथा 3 मीटर चौड़ाई सुरंग का कार्य प्रगतिरत था, जो कि आज दिनांक को खुदाई का कार्य पूर्ण हो गया। इस सुरंग की खुदाई में लगभग डेढ़ वर्ष का समय लगा, संपूर्ण खुदाई के पश्चात सुरंग में आर.सी.सी लाइनिंग का कार्य किया जावेगा तथा 1500 एमएम व्यास की पाइप लाइन बिछाकर विकासखंड उचेहरा, रामपुर बघेलान, अमरपाटन एवं आंशिक मैहर के 743 ग्रामों के समस्त परिवारों को पेयजल उपलब्ध हो सकेगा इस सुरंग के निर्माण से लगभग 45 करोड़ की बचत हुई जिसमें पाइपलाइन, पंपहाउस, मोटर पम्प आदि की निर्माण राशि की बचत हुई एवं साथ ही सालाना लगभग 1 से 1.5 करोड़ रुपए राशि के बिजली के बिल में बचत होगी । इस सुरंग का निर्माण न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड तकनीक के इस्तेमाल कर किया गया है सुरंग का कार्य जनवरी 2024 के अंत तक पूर्ण किया जाना है। सुरंग का कार्य पूर्ण होने के उपरांत सुरंग के दूसरी तरफ पेयजल प्रारम्भ किया जावेगा।

प्रधानमंत्री ने वुर्चअल माध्यम से रीवा रेलवे स्टेशन के 17.5 करोड़ के कार्यों का किया भूमिपूजन

रीवा रेलवे स्टेशन में जल्द ही लंबी दूरी की ट्रेनों की मिलेगी सुविधा - विधानसभा अध्यक्ष, प्रधानमंत्री जी 40 वर्षों की जरूरतों के अनुसार कर रहे हैं रीवा रेलवे स्टेशन का विकासः सांसद, निर्माण कार्यों से विश्व स्तरीय बनेगा रीवा रेलवे स्टेशनः विधायक रीवा

रीवा। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से रीवा रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के कार्यों का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। श्री मोदी ने रीवा के साथ-साथ 508 रेलवे स्टेशनों में विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। रीवा रेलवे स्टेशन में आगामी एक वर्ष में 17.5 करोड़ रुपए की लागत से जन सुविधाओं के विस्तार, दूसरे प्रवेश द्वार के निर्माण, पॉर्किंग, यात्री प्रतीक्षालय, तीन नए प्लेटफार्मों के निर्माण सहित विभिन्न निर्माण कार्य कराए जाएंगे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने रीवा को आज बड़ा उपहार दिया है। इसके लिए प्रधानमंत्री जी तथा रीवा के सांसद जी का ह्मदय से आभार है। रीवा रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण का कार्य शीघ्र ही पूरा होगा। यहाँ से एक साल में लंबी दूरी के ट्रेनों की सुविधा मिल जाएगी। भारतीय रेल दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क है। जिसकी 12 हजार ट्रेनों में चार करोड़ यात्री प्रतिदिन सफर करते हैं।

समारोह में सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने रीवा और विन्ध्य क्षेत्र की 40 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर स्टेशन के कायाकल्प के कार्य मंजूर किए हैं। वर्तमान में लगभग 50 करोड़ के निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। आज 17 करोड़ 50 लाख के नए कार्य मंजूर किए गए हैं। इन कार्यों के पूरा होने के बाद रीवा शानदार रेलवे स्टेशन बनेगा। एसी कोच के मेंटीनेंस तथा तीन वाशिंग पिट बन जाने से लंबी दूरी के ट्रेनों की सुविधा रीवा को मिलेगी। पूर्ववर्ती

सरकारों ने क्षेत्र में रेलवे के विकास में ध्यान नहीं दिया। ललितपुर-सिंगरौली रेलवे लाइन के लिए 2014 में मात्र 13 करोड़ रुपए दिए गए थे जबकि 2023 के बजट में सबके प्रयासों से 700 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। डभौरा रेलवे स्टेशन के कायाकल्प के लिए भी 1.5 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भेजा गया है। समारोह में पूर्व मंत्री एवं विधायक रीवा श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि आज का दिन रेलवे के विकास के लिए क्रांतिकारी दिन है। आज प्रधानमंत्री जी एक साथ 508 रेलवे स्टेशनों के विकास कार्यों का शिलान्यास कर रहे हैं। इसमें रीवा रेलवे स्टेशन का शामिल होना हम सबके लिए बहुत बड़ा सौभाग्य है। रीवा में एक ओर विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर उड़ान योजना में रीवा एयरपोर्ट का तेजी से निर्माण किया जा रहा है। ललितपुर-सिंगरौली रेलवे लाइन का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसका निर्माण पूरा होते ही रीवा पूर्वोत्तर राज्यों से सीधे जुड़ जाएगा। साथ ही कई लंबी दूरी की ट्रेनों की सौगात रीवा को मिलेगी। रीवा के साथ-साथ मैहर रेलवे स्टेशन में भी 33 करोड़ रुपए के निर्माण कार्यों का आज भूमिपूजन किया जा रहा है। इन सौगातों के लिए प्रधानमंत्री जी, रेलमंत्री जी, सांसद जी तथा विधानसभा अध्यक्ष जी का हम सब ह्मदय से आभार व्यक्त करते हैं। समारोह में विधानसभा अध्यक्ष तथा अन्य अतिथियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए। समारोह में सरस्वती हाई स्कूल निराला नगर, सेक्रेट हार्ट स्कूल तथा राजहंस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किया। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व मंत्री श्री पुष्पराज सिंह, रेलवे के सीनियर डीएमपी मनीष पटेल, श्री वीरेन्द्र होतवानी, पूर्व महापौर श्री वीरेन्द्र गुप्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण तथा आमजन उपस्थित रहे।

चीन क्यों अब बढ़ा रहा मोदी सरकार पर दबाव?

भारत की जनता आठ महीनों तक इस को बात को लेकर अंधेरे में रही कि पिछले साल नवंबर में इंडोनेशिया के बाली शहर में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई थी। तब दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य बनाने को लेकर उनके बीच कुछ 'आम सहमतियां' बनी थीं। बाली शिखर सम्मेलन के दौरान एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें शी से मिलने के लिए मोदी आगे बढ़ते नजर आए थे। तब इस बारे में भारत के विदेश सचिव विजय मोहन क्वात्रा से पत्रकारों ने पूछा था कि दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत हुई। इस पर क्वात्रा ने कहा था कि दोनों के बीच सिर्फ शुभकामनाओं का आदान-प्रदान हुआ। तब चीन ने भी यह नहीं बताया था कि दोनों नेताओं में सिर्फ शुभकामनाओं का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि बाकायदा द्विपक्षीय वार्ता हुई थी।

चीन ने आठ महीने बाद इस तथ्य का खुलासा दक्षिण अफ्रीका में हुई ब्रिक्स (ब्राजील- रूस- भारत- चीन- दक्षिण अफ्रीका) के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक के बाद किया। इस बैठक के दौरान भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल की चीन के प्रतिनिधि (और अब फिर से विदेश मंत्री बन चुके) वांग यी के साथ द्विपक्षीय वार्ता हुई। इसी के बारे में जानकारी देते हुए चीन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया। उसमें कहा गया कि वांग ने डोवाल से कहा कि दोनों देशों को बाली में मोदी और शी के बीच बनी आम सहमति के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए। आम सहमति यह थी कि भारत और चीन एक दूसरे के लिए खतरा नहीं हैं, बल्कि वे एक दूसरे के लिए विकास का अवसर हैं।

यह चौंकाने वाला खुलासा था। यह बयान जारी होने के एक दिन बाद जब मीडियाकर्मियों ने संपर्क किया, तो भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस बारे में कुछ भी कहने से इनकार किया। लेकिन उसके एक और दिन बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने यह स्वीकार कर लिया कि बाली में मोदी और शी के बीच दोनों देशों के रिश्तों को स्थिरता देने के प्रश्न पर आपसी वार्ता हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के मौकों पर विभिन्न देशों के नेता द्विपक्षीय वार्ता करते हैं। इसलिए मोदी और शी के बीच बाली में बातचीत हुई, तो उसमें छिपाने की कोई बात नहीं थी। लेकिन इस तथ्य को क्यों छिपाया गया, इसे हम आसानी से समझ सकते हैं। स्पष्टतः यह बात भारत में प्रचारित नैरेटिव के खिलाफ जाती है। इससे 'लाल आंख दिखाने', '56 इंच के सीने' और 'घर में घुस कर मारने' के जुमलों के आधार पर बनाए गए मोदी सरकार की 'मर्दाना विदेश नीति' के कथानक में सेंध लगती है। इससे यह संदेश जाता है कि चीन को घुटने टेकने पर मजबूर करने के बजाय भारत के प्रधानमंत्री बातचीत से रिश्तों में स्थिरता लाने की कोशिश में शामिल हुए।

बहरहाल, महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह है कि आखिर चीन ने इस मौके पर इस तथ्य को सार्वजनिक करने का फैसला क्यों किया? गौरतलब है कि ठीक इसी मौके पर अरुणाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को स्टेपल्ड वीजा देने की खबर भी सामने आई। ये खिलाड़ी यूनिवर्सिटीज गेम्स में भाग लेने के लिए चीन जाने वाले थे। लेकिन चीन ने उन्हें सामान्य वीजा नहीं दिया, जिसकी वजह से ऐन वक्त पर भारत को अपनी पूरी टीम को हवाई अड्डे से वापस बुलाना पड़ा।

तो सवाल यही है कि चीन के रुख में यह सख्ती क्यों आई है? साफ है कि उसने प्रधानमंत्री मोदी की '56 इंच सीने वाली छवि' के खिलाफ सूचनाएं जारी कर और स्टेपल्ड वीज देने जैसा कदम उठाकर उनके लिए असहज स्थिति पैदा करने की कोशिश की है। आलोचकों का कहना है कि ना सिर्फ चीन, बल्कि वे देश भी जिन्हें भारत का दोस्त समझा जाता है, उनके यहां यह धारणा बनी है कि मोदी सरकार की विदेश नीति घरेलू सियासत के तकाजों से प्रेरित होती है। इसका प्रमुख मकसद प्रधानमंत्री की छवि का विशेष नैरेटिव बनाकर उसका चुनावी लाभ उठाना रहता है। चीन इस लिहाज से संभवतः पहला देश बना है, जिसने कूटनीतिक मकसदों के लिए वर्तमान सरकार की इस कथित कमजोरी का लाभ उठाने की कोशिश की है।

अनुमान लगाया जा सकता है कि चीन में ऐसी कोशिश की रणनीति जून में प्रधानमंत्री की हुई अमेरिका यात्रा के बाद बनाई गई होगी। इस यात्रा के दौरान अमेरिकी धुरी के साथ भारत की निकटता इस हद तक बन गई कि अमेरिकी नौसेना के लड़ाकू जहाजों को 'मरम्मत' के मकसद से भारतीय बंदरगाहों के इस्तेमाल की इजाजत मिल गई है। इससे एक तरह से चीन को घेरने की अमेरिकी रणनीति में भारत पूर्ण सहभागी बन गया है।

इसके अलावा शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की हाल की शिखर बैठक को वर्चुअल मोड में आयोजित करने का जिस तरह भारत ने एकतरफा निर्णय लिया, उस पर चीनी मीडिया में आक्रोश भरी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। ब्रिक्स के विस्तार और ब्रिक्स की अपनी करेंसी जारी करने के प्रश्न पर भी दोनों देशों में मतभेद की खबरें इन दिनों चर्चा में हैं। तो क्या इन घटनाक्रमों के बीच चीन अब भारत के साथ टकराव को और बढ़ाने के निष्कर्ष पर पहुंचा है? अगर ऐसा है, तो यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक नई और अति गंभीर चुनौती है।

इसलिए अब देश में इस पर खुलकर बहस होनी चाहिए कि इस चुनौती के मद्देनजर भारत की उपयुक्त रणनीति क्या होनी चाहिए? अगर भारत ने अमेरिकी धुरी का हिस्सा बनने का अंतिम निर्णय कर लिया है, तो बेशक उसे किसी भी स्थिति के लिए खुद को तैयार करना होगा, जिसमें युद्ध भी शामिल है। लेकिन एक दूसरा नजरिया वह है, जो प्रधानमंत्री मोदी ने बाली में अपनाया था। इस नजरिए में संबंधों को स्थिरता देने और आगे चलकर इसमें सुधार की संभावनाएं छिपी हुई हैं।

भारत में इस समय जो माहौल उसमें भारत सरकार के लिए खुलकर इस नजरिए को अपनाना संभवतः सियासी फायदे के लिहाज से मुफीद ना हो। लेकिन देश के दीर्घकालिक हित में यही सही रास्ता है। इसलिए प्रधानमंत्री और मौजूदा सरकार को यह खुलकर बताना चाहिए कि बाली में क्या आम सहमति बनी थी और क्यों वही चीन के साथ रिश्तों को संभालने के मकसद से सही रास्ता है। यह मौका है, जब अयथार्थ छवि की कैद से वर्तमान सरकार बाहर निकले और भारतीय जनता के दीर्घकालिक हित में इस महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर देश को उचित नेतृत्व दे। उसे यह खुलकर कहना चाहिए कि मोदी ने शी से बातकर कोई गलत काम नहीं किया। ना ही यह किसी कमजोरी का परिचय देना था। बल्कि इसी नजरिए में भारत का व्यापक एवं दीर्घकालिक हित है।

ऐसा रुख ना अपनाने की बहुत महंगी कीमत भारत पहले ही अदा कर चुका है। इस संदर्भ में यह बात अवश्य याद रखनी चाहिए कि भारत और चीन के बीच तनाव का नया दौर 2019 के आखिरी महीनों में शुरू हुआ, जिसने 2020 के जून तक बेहद गंभीर रूप ले लिया, जब गलवान घाटी में दोनों देशों की सेनाओं में झड़प की घटना हुई थी। दोनों देशों के संबंधों में बढ़ते तनाव की मिसालें उसके कुछ समय पहले से दोनों देशों के बीच की वास्तविक नियंत्रण रेखा पर देखने को मिलने लगी थीं। वहां चीनी फौज की एक बार फिर से घुसपैठ हुई थी। अब यह आम जानकारी है कि चीनी सेना लद्दाख क्षेत्र में भारतीय सीमा में लगभग तीन से पांच किलोमीटर तक घुस आई और वहां अपना डेरा डाल दिया था।

ये दीगर बात है कि इस तथ्य को भारत सरकार ने आज तक स्वीकार नहीं किया है। 15 जून 2020 को गलवान घाटी घटना के चार दिन बाद यानी 19 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। उसमें उन्होंने यह बयान देकर सबको चौंका दिया था कि भारतीय सीमा में ना कोई घुसा है, और ना कोई घुसा हुआ है। तब से आज तक भारत का आधिकारिक रुख यही बना हुआ है। लेकिन इस दौर में भारत सरकार की तरफ से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि अगर कोई घुसपैठ नहीं हुई, तो फिर गलवान घाटी की घटना क्यों हुई, उसके बाद से दोनों देशों के सैन्य कमांडरों के बीच वार्ताओं के लगभग दो दर्जन दौर किसलिए हुए हैं, और भारत सरकार ने चीनी कंपनियों के निवेश को सीमित करने और चीन के सैकड़ों ऐप्स को प्रतिबंधित करने के कदम क्यों उठाए?

विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कई बार और अब राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल ने भी यह कहा है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर की घटनाओं ने दोनों देशों के बीच भरोसे को क्षीण कर दिया है। लेकिन ये घटनाएं क्या हैं, इस बारे में कोई स्पष्ट वक्तव्य नहीं दिया गया है। अधिक से अधिक यह कहा गया है कि चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा के दूसरी तरफ सेना का जमाव कर रखा है और वहां स्थायी निर्माण किए हैं। लेकिन कोई देश अपनी सीमा के भीतर कुछ करता है, तो वह तो दो देशों के रिश्तों में तनाव और टकराव का कारण नहीं हो सकता।

इस बीच मीडिया रिपोर्टों से लेकर लद्दाख के पुलिस अधिकारियों तक की रिपोर्ट में यह बताया गया है कि एलएसी पर चीनी फौज की घुसपैठ के बाद वहां कई स्थलों पर दोनों तरफ की फौजियों का आमना-सामना वहां हुआ। इनमें से कुछ जगहों पर चीन ने अपनी सेना वापस लौटाई, लेकिन साथ ही- मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि चीन ने उस क्षेत्र में पांच किलोमीटर तक के बफर जोन बनाए, जहां पहले भारतीय सेना का नियंत्रण था। इस घटनाक्रम के कारण अब भारतीय गश्ती दल लगभग दो दर्जन ऐसी चौकियों पर जाने की स्थिति में नहीं हैं, जहां पहले गश्त लगाना उनकी सामान्य गतिविधि थी। भारतीय विश्लेषकों ने 2020 में यह ध्यान दिलाया था कि तब हुई घुसपैठ गुजरे वर्षों में हुई ऐसी ही घटनाओं से अलग है। यानी मामला सिर्फ किसी स्थानीय फौजी टुकड़ी की गलतफहमी का नहीं है, जिसकी वजह से अ-चिह्नित नियंत्रण रेखा को पहले फौजी टुकड़ियां पार कर जाती थीं। बल्कि इस बार मामला एक साथ अनेक जगहों पर घुसपैठ का था। इस बीच अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और उत्तराखंड से लगी सीमा के पास भी कई ऐसी घटनाएं हुई, जिन्होंने तनाव को बढ़ाया। इससे संकेत यह ग्रहण किया गया कि तीन साल से जारी चीन की कारंवाइयां ऊपरी निर्देशन और समन्वय के साथ की गई।

साल 2017 में डोकलाम की घटना के बाद चीन के वुहान और फिर भारत के मल्लपुरम में प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग के बीच अनौपचारिक शिखर वार्ता हुई थी। तब वुहान और मल्लपुरम "भावना" की खूब चर्चा हुई थी। उसे दोनों देशों के रिश्तों में सुधार के लिए दोनों तरफ स्वीकार्य मानदंड के रूप में पेश किया गया था। तो उसके तुरंत बाद आखिर हालात उस मुकाम पर क्यों पहुंच गए कि गलवान घाटी जैसी घटना हो गई? इस प्रश्न को समझने के लिए हमें उसके पहले के वर्षों में भारत की बदली नीतियों, प्राथमिकताओं और कुछ कदमों पर गौर करना होगा।

भारत की विदेश नीति में अमेरिका के प्रति झुकाव बढ़ने की शुरुआत अटल बिहारी वाजपेयी के शासनकाल में ही हो गई थी, जिसे मनमोहन सिंह सरकार ने और आगे बढ़ाया। भारत-अमेरिका परमाणु करार डॉ. सिंह के दौर में भारत की विदेश नीति संबंधी बदलती प्राथमिकताओं की एक प्रमुख मिसाल बना। उससे चीन के साथ रिश्तों में नई पेचीदगी पैदा हुई।

मगर डॉ. सिंह सरकार की विदेश नीति में रिक (रूस- भारत- चीन) और ब्रिक्स (ब्राजील- रूस- भारत- चीन- दक्षिण अफ्रीका) जैसे नए उभरे मंच भी प्राथमिकता में ऊपर थे। इसलिए उस दौर में वैदेशिक मामलों में एक संतुलन बना रहता था। इसीलिए तब कई जगहों पर घुसपैठ और टकराव के बावजूद हालात वैसे नहीं बिगड़े, जैसे नरेंद्र मोदी के शासनकाल में बिगड़ते चले गए हैं।

मोदी सरकार की पिछले नौ साल की विदेश नीति में जो बात सबसे जाहिर है, वो अमेरिकी धुरी के साथ जुड़ने की उसकी चाहत और उसके किए गए दूरगामी फैसले हैं। इस दौर में भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका- जापान- ऑस्ट्रेलिया की बनी त्रिपक्षीय धुरी के साथ भारत औपचारिक रूप से जुड़ा गया, जिसका परिणाम क्वाड्रैंगुलर सिक्युरिटी डायलॉग (क्वैड) की स्थापना के रूप में सामने आया। यह निर्विवाद है कि इस धुरी का मकसद चीन के उदय को नियंत्रित करना रहा है। भारत इस धुरी के साथ सैनिक अभ्यास और खुफिया सूचनाएं साझा करने की तरफ बढ़ता चला गया है। भारत और अमेरिका के बीच हुए The Communications Compatibility and Security Agreement (COMCASA) का इस संदर्भ में खास उल्लेख किया जा सकता है।

इसके पहले चीन की महत्त्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) परियोजना को लेकर भी बीते वर्षों में भारत और देशों में विवाद बढ़ा था। खासकर भारत की आपत्ति (जो वाजिब ही है) पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में इस परियोजना के तहत हो रहे निर्माण कार्यों को लेकर रही है। चीन-पाकिस्तान इकॉनोमिक कॉरिडोर के नाम से चर्चित इस पहल के तहत चीन ने पाकिस्तान में भारी निवेश किया है। भारत उचित ही इसे अपनी संप्रभुता का उल्लंघन मानता है, क्योंकि इस इलाके में चीन ने बिना भारत की सहमति के निवेश किया है।

इन वजहों से पहले से ही टकराव और संदेह का शिकार रहे भारत-चीन रिश्तों में तनाव और बढ़ रहा था। इसी बीच पिछले वर्ष भारत ने जम्मू-कश्मीर से संबंधित धारा 370 को रद्द किया और लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया। इसके बाद भारत ने अपना एक नया नक्शा जारी किया, जिसमें अक्साई चिन समेत उन तमाम इलाकों को दिखाया गया, जिन पर चीन दावा जताता रहा है और जो 1962 के युद्ध के बाद से चीन के कब्जे में हैं। अनेक अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों की इस राय में दम है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बने हालात के पीछे इस घटनाक्रम की प्रमुख भूमिका रही है। इसीलिए ये आशंका अब तक सच साबित हुई है कि तीन साल पहले पैदा हुआ तनाव शायद उस तरह खत्म ना हो, जैसा अतीत में चीनी घुसपैठ की घटनाओं के समय हुआ था।

इस पहले सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट जैसी घटनाएं यह संदेश सारी दुनिया में भेज चुकी थीं कि 'घर में घुसकर मारने की नीति' के तहत भारत अंतरराष्ट्रीय सीमा का सम्मान नहीं करता। ये घटनाएं पाकिस्तान के मामले में हुई थीं, लेकिन उससे चीन सहित अन्य पड़ोसी देशों ने भी अपने ढंग से संदेश ग्रहण किए।

अब मोदी सरकार के सामने चुनौती यह निर्णय लेने की है कि उसे इस नजरिए पर आगे बढ़ना है या बाली में प्रधानमंत्री ने जो रुख अपनाया, उस पर आगे चलना है। इन दोनों रास्तों के अपने-अपने संभावित परिणाम हैं।

हम तो हो रहे तीसरी आर्थिक शक्ति!

हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दावा किया। उन्होंने 26 जुलाई को दिल्ली स्थित 'भारत मंडपम' का उद्घाटन करते हुए कहा, 'मैं देश को... विश्वास दिलाता हूं कि हमारे तीसरे कार्यकाल में भारत, शीर्ष तीन अर्थव्यवस्था में पहुंच कर रहेगा और ये मोदी की गारंटी है।' स्वतंत्र भारत के इतिहास में जो आजतक नहीं हुआ, क्या वह अगले कुछ वर्षों में संभव है या फिर यह दावा मात्र चुनावी जुमला है?

मई 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार आई, तब भारत— विश्व की दसवीं बड़ी अर्थव्यवस्था थी। तब देश का आर्थिक आकार अर्थात सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)— लगभग दो ट्रिलियन डॉलर था, जो जून 2023 में बढ़कर पौने चार ट्रिलियन डॉलर हो गया। इन नौ वर्षों में भारत, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। यह उपलब्धि इसलिए बड़ी और सकारात्मक है, क्योंकि स्वतंत्र भारत को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने में 60 वर्ष (1947-2007) लगे थे, फिर उसमें दूसरा ट्रिलियन अगले सात वर्षों (2007-14) में जुड़ा और तीसरा ट्रिलियन जोड़ने में पांच वर्ष (2014-19) का समय लगा। कोरोनाकाल (2020 से अबतक), फरवरी 2022 से जारी यूक्रेन-रूस युद्ध और यूरोपीय-अमेरिकी बाजारों में आई मंदी से विश्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के बाद भी भारत, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। शीघ्र ही हम चार ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने के साथ अपनी जीडीपी में प्रत्येक दो-दो वर्षों में एक-एक ट्रिलियन डॉलर जोड़ने के मुहाने पर खड़े है।

प्रधानमंत्री मोदी का दावा वास्तविकता के कितने निकट है, यह प्रमाणिक संगठनों के शोधपत्रों से भी स्पष्ट हो जाता है। अमेरिकी निवेशक बैंक मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का अनुमान है कि 2027 तक भारत की जीडीपी 5.4 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी। इससे पहले आईएमएफ ने अपनी एक रिपोर्ट में स्पष्ट किया था कि भारत में अत्याधिक निर्धनता लगभग समाप्त हो गई है। एशियाई विकास बैंक के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था 6.4 प्रतिशत, तो चीन की आर्थिकी 5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। इस पृष्ठभूमि में क्या भारत भावी समय में चीन का विकल्प बन सकता है?

वर्तमान समय में चीन की स्थिति क्या है? इस साम्यवादी देश के राष्ट्री य सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जून 2023 में चीन की खुदरा बिक्री मई में 12.7 प्रतिशत की वृद्धि से गिरकर 3.1 प्रतिशत हो गई। इसी अवधि में 16-24 के आयुवर्ष वर्ग में बेरोजगारी दर बढ़कर 21.3 प्रतिशत हो गई है, जो मार्च में 19.7 प्रतिशत थी। चीनी इक्विटी बाजार इस वर्ष अन्य वैश्विक बाजारों की तुलना में खराब प्रदर्शन कर रहा है, तो जून में उसका निर्यात, बीते तीन वर्षों में सबसे कम रहा। चीन का क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई)— जुलाई में बढ़कर 49.3 अंक हो गया है। इसका अर्थ यह हुआ कि चीन की आर्थिक गतिविधियां सिकुड़ रही हैं। गैर-विनिर्माण पीएमआई जुलाई में गिरकर 51.5 रह गई, जो जून में 53.2 थी। यह घटनाक्रम चीन के सेवा-निर्माण क्षेत्र में आ रही गिरावट का प्रतीक है।

चीन की उपरोक्त स्थिति की तुलना में भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड-19 के भयावह-काल के बाद तेजी से सुधार कर रही है। आईएमएफ ने अपनी हालिया रिपोर्ट में भारत की आर्थिक वृद्धि दर वर्ष 2023 में 6.1 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है, जोकि अप्रैल में उनके प्राक्कलन से अधिक है। चूंकि दुनिया का सर्वाधिक आबादी वाला देश होने से भारत— श्रमबल में धनवान है, देश में प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना के अंतर्गत आधुनिक आधारभूत ढांचे का विकास हो रहा है, व्यवसाय करने को आसान बनाया जा रहा है और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के अंतर्गत सरकारी निवेश इत्यादि किया जा रहा है— इससे विश्व की कई नामचीन कंपनियां चीन छोड़कर भारत में अपनी ईकाई स्थापित करने हेतु प्रेरित हो रही है।

यह ठीक है कि वर्तमान समय में भारत की स्थिति चीन से बेहतर है। परंतु देश को अपने और चीन के बीच आए अंतर को पाटने के लिए कई मोर्चों पर एक साथ लड़ना है। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 1985 में भारत और चीन का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बराबर 293 डॉलर था, जो कालांतर में क्रमशः 7,130 और 19,160 डॉलर हो गया। ऐसा क्यों हुआ? इसका उत्तर भारत की वह दूषित राजनीति और देशविरोधी एजेंडा है, जिसमें राष्ट्रहित को गौण करके राजनीतिक स्वार्थ को पूरा और विदेशी-वित्तपोषण से भारत के विकास को बाधित करने की मानसिकता है।

इसका एक उदाहरण— चीन स्थित थ्री गॉर्जिज बांध और भारत स्थित सरदार सरोवर बांध है। दुनिया के सबसे बांधों में से एक थ्री गॉर्जिज बांध को पूरा करने में चीन को एक दशक से अधिक का समय लगा, वही इसकी तुलना में छोटे सरदार सरोवर बांध को पूरा करने में भारत को 56 वर्ष (1961-2017) लग गए। इसका एक बड़ा कारण वर्ष 1989-2014 के बीच भारत की वह समझौतावादी खिचड़ी गठबंधन सरकारें थी, जिसमें कुछ अपवादों को छोड़कर राष्ट्रहित गौण रहा और जोड़तोड़ की राजनीति हावी रही। इस स्थिति का लाभ 'नर्मदा बचाओ आंदोलन' जैसे भारत-विरोधी आंदोलनों ने मानवाधिकार-पर्यावरण संरक्षण के नाम पर उठाया और भारतीय विकास को अवरुद्ध करने का प्रयास किया। वर्ष 2012 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने कुडनकुलम परमाणु संयंत्र (तमिलनाडु) विरोधी आंदोलन पर कहा था, 'इस परियोजना का विरोध करने के पीछे विदेशी वित्त सहायता पाने वाले एनजीओ का हाथ है।'

सच तो यह है कि भारत के लोग परिश्रमी है और उद्यमी कौशल के धनी है। पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के बावजूद भारतीय समाज में परिवार नामक संस्था, देश के सामाजिक ढांचे को संभाले हुए है। वास्तव में, एक स्वस्थ और स्थायी परिवार भारत की सामाजिक पूंजी है। परंतु भारत की इस विकास यात्रा में कई अवरोधक खड़े है, जिसमें परिवारवाद और विभाजनकारी राजनीति भी शामिल है। इन्हीं राजनीतिक दांवपेंचों ने दशकों तक भारतीय प्रतिभा और क्षमता को बंदी बनाए रखा। दुर्भाग्य से वही कुनबा अब अपने संकीर्ण स्वार्थ की पूर्ति हेतु देशविरोधी शक्तियों के हाथों की कठपुतलियां बन बैठा है।

सिविल स्वास्थ्य विभाग मऊगंज में इलाज के दौरान महिला की मौत

परिजनों का आरोप सही समय पर इलाज न मिल पाने पर हुई मौत

दैनिक पुष्पांजलि टुडे रीवा

मऊगंज। परिजनों का आरोप डॉक्टर की लापरवाही से महिला की हुई मौत बिना पीएम किए लाश को जबरन पहुंचाया गया घर 4 माह क छोटा बच्चा सहित पांच बच्चों की मृतिका थी मां मामला बीते दिन बुधवार क है सिविल स्वास्थ्य विभाग में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब मृतका शोभा बंसल पति रजनीश ग्राम पहाड़ी निर्पित सिंह महिला के परिजनों ने उपचार के दौरान डॉ पर लापरवाही का आरोप लगाया है उक्त महिला की तबीयत खराब होने पर परिजनों द्वारा सिविल स्वास्थ्य विभाग में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर राजश्री मिश्रा द्वारा उपचार किया गया किंतु ड्यूटी खत्म होने पर चले गए और ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों द्वारा देखरेख नहीं किया गया जिससे उपचार के अभाव में महिला की मौत हो गई।

परिजनों का हंगामा–महिला की मौत पर दर्जनों परिजनों द्वारा स्वास्थ्य विभाग में तोड़फोड़ गाली गलौज एवं उत्पात मचाया गया यहां तक की स्टॉप से मारपीट की गई एवं शव वाहन पर पेट्रोल डालकर जलाने का प्रयास किया गया एवं स्वास्थ्य विभाग में खड़े अन्य वाहनों पर लाठी-डंडे से तोड़फोड़ किया गया परिजनों द्वारा साफ तौर पर आरोप लगाया गया कि ड्यूटी के दौरान चिकित्सक द्वारा लापरवाही पूर्वक उपचार करने से महिला की मौत हुई इतना ही नहीं परिजनों का आरोप था कि ड्यूटी खत्म होने के बाद जिस डॉक्टर की ड्यूटी थी वह भर्ती वार्ड में मरीज को देखने नहीं आया

जिसकी वजह से महिला की मौत हो गई।

जूनियरों का सीनियरो पर आरोप–स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत जूनियर कर्मचारी एवं स्टाफ नर्स नर्सिंग ऑफिसर सहित कई कर्मचारियों ने सीनियर डॉक्टरों पर आरोप लगाया है उनका कहना है कि मृतक महिला के परिजनों द्वारा राड व डंडे लेकर स्वास्थ्य विभाग में घुसकर तोड़फोड़ की गई उस वक्त सभी डॉक्टर मौजूद थे किंतु देखते ही सभी डॉक्टर पिछले रास्ते से भाग निकले किसी तरह से जान बचाकर अंदर कमरे में कई घंटों तक बंद रहे नर्सों द्वारा डॉक्टरों सहित बीएमओ पर आरोप लगाया गया कि उनके द्वारा पुलिस थाने में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई जबकि नर्सों द्वारा पुलिस थाने में फोन किया गया और मौके में पुलिस भी नहीं पहुंची

मऊगज थाने में नहीं की गई रिपोर्ट–सिविल स्वास्थ्य विभाग मऊगंज में महिला की मृत्यु के बाद परिजनों द्वारा जो हंगामा किया गया वह शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने जैसा थ किंतु यदि परिजनों द्वारा यह आरोप लगाया गया कि उपचार के अभाव में महिला की मृत्यु हुई है तो फिर यह भी अमानवीय है शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने जैसी स्थिति निर्मित हुई पेट्रोल डालकर जलाने स्टाफ नर्सों को डंडे से धमकाने तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया किंतु बीएमओ द्वारा पुलिस को सूचना नहीं दी गई वहीं नर्सों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई किंतु जब तोड़फोड़ करने वाले उपद्रवी स्वास्थ्य विभाग से जाने लगे तब पुलिस का आना हुआ मौके पर पहुंची पुलिस से ही जब उपद्रवी कुछ शांत हुए तो मौका देखकर मौके पर पहुंची पुलिस से भी झड़प हुई वही एएसआई के नाक में चोट आई हालांकि यह पहला मामला नहीं है जब पुलिस की नाक कटी हो इसके बावजूद स्वास्थ्य प्रबंधन व पुलिस विभाग द्वारा किसी के खिलाफ कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई शायद यह दबाव ड्यूटी में तैनात डॉक्टर की हो सकती है जिसकी लापरवाही से महिला की मौत हुई मऊगंज पुलिस असमंजस में पड़ गई की मृतक महिला के परिजनों पर एफ आई आर की जाए य चिकित्सकों पर किंतु रिपोर्ट दर्ज करने पर मामला बाहर खुलकर सामने आता डॉक्टर और पुलिस के बीच मामले की सुलह हो गई तभी तो किसी के ऊपर रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई।

धार्मिक भावनाओं को आहत करने बाली फेसबुक पोस्ट देखकर भड़के युवा

कार्यबाही के लिए दिया आबेदन कार्यबाही न होने पर होगा प्रदर्शन

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

लहार। लहार में एक असमाजिक तत्व जितेंद्र कुस्तवार द्वारा हिन्दू देवताओं को लेकर फेसबुक पर एक अभद्र टिप्पणी कर दी।ये पोस्ट जैसे ही लहार के युवाओं की नजरों में आई युवा भड़क उठे और उक्त असमाजिक तत्व जो धार्मिक भावनाओं को आहत कर एक दूसरे को आमने सामने लाकर दंगा भड़काने का कार्य करते है।ऐसे युवक के खिलाफ कार्यबाही की मांग कर लहार थाने में एक शिकायती आबेदन प्रस्तुत किया और कार्यबाही की मांग की अगर कार्यबाही नही हुई तो युवा धरना प्रदर्शन एवम आंदोलन के लिए तैयार होगा।

सुनिये क्या बोले अधिकारी–आबेदन आया है युवक घर से फरार हो चुका है उसके ठिकानों पर दबिश देकर पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है जल्द ही बो पुलिस गिरफ्त में होगा।

वरुण तिवारी
थाना प्रभारी लहार

दीप प्रज्वलित एवं महिलाओं को तिलक कर मनाया स्तनपान सप्ताह

मुरैना। सिविल अस्पताल सबलगढ़ के पोषण पुनर्वास केंद्र में दीप प्रज्वलन कर गर्भवती तथा धात्री महिलाओं को रोली व चंदन लगाकर विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार यह सप्ताह वैश्विक रूप से विश्व स्तनपान सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। यह अगस्त माह के पहले हफ्ते में 1 तारीख से 7 तारीख तक मनाया जाता है। पूरे सप्ताह मनाए जाने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्तनपान के महत्व को उजागर करना एवं नवजात शिशु के पोषण व समुचित विकास को सुनिश्चित करना है। इस दौरान दुग्धपान के सही तरीके दुग्धपान के लाभ व शिशु को माता के दूध से होने वाले लाभ के विषय में भी सार्थक चर्चा की गई। इस दौरान सीबी एमओ डॉ. वीर सिंह खरे, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ शरद शर्मा, डॉ केके डंडोतिया, डॉ रेखा रानी गोयल, एनआरसीएफडी मनीषा यादव, फार्मासिस्ट लोकेंद्र कुशवाह, नर्सिंग ऑफीसर तृप्ति मेश्राम, संगीत जामोद, अंकिता श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

डॉ. वीर सिंह खरे ने बताया कि प्रसूता महिला को बच्चे के जन्म के 1 घंटे के भीतर शिशु को दुग्धपान अनिवार्य रूप से कराना चाहिए एवं छह माह तक केवल स्तनपान ही कराना चाहिए तथा 2 वर्ष तक स्तनपान जारी रखना चाहिए। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. शरद शर्मा ने बताया कि मां का दूध बच्चे का पहला आहार होता है, जो बच्चे को कई बीमारियों से सुरक्षित रखता है। जो बच्चे ठीक से स्तनपान करते हैं, उनमें डायबिटीज तथा मोटापे की समस्या कम होती है तथा दिमागी रूप से मजबूत होते हैं। जो माताएं अपने बच्चों को स्तनपान कराती हैं, उन्हें ब्रेस्ट कैंसर, ओवेरियन कैंसर का खतरा कम होता है। इसीलिए जन्म के तुरंत बाद ही स्तनपान शुरू कर देना चाहिए। मां के दूध में सभी प्रकार के पोषक तत्व एंटीबॉडीज और एंजाइम्स होते हैं, जो बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं और संक्रमण से दूर रखते हैं।

अमृत भारत स्टेशन से विकास, व्यापार और रोजगार को मिलेगी गति : सांसद चौधरी

प्रधानमंत्री मोदी ने किया मारवाड़ जंक्शन, ड़ालना और सोजत रोड स्टेशन के पुनर्विकास का किया ई-शिलान्यास

पुष्पाजंली टुडे

पाली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अमृत भारत योजना के तहत देशभर के 508 रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण की आधारशिला रखी। इस अवसर पर मारवाड़ जंक्शन में पाली सांसद और पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री पीपी चौधरी ने कहा कि रेलवे स्टेशन भारत की प्रगति का आधार है। स्टेशनों पर सुविधा बड़ने से स्थानीय व्यापार और रोजगार को गति मिलेगी। पूर्व की सरकारों ने छोटे स्टेशनों पर ध्यान नही दिया। लेकिन विकास को प्रतिबद्ध प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार हर तरह से देश और देशवासियों को विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ स्थानीय धरोहर से हर किसी को पहचान कराना चाहती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से रेलवे के अपग्रेडेशन पर काम तेजी से प्रारंभ हुआ, रुकी हुई परियोजनाओं, रेलवे का आधुनिकीकरण करना, यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा बढ़ाना मोदी सरकार का मुख्य उद्देश्य रहा। पिछले नौ साल के कालखंड में देश में रेलवे ने अभूतपूर्व प्रगति की है। रेल बजट चौदह गुना बढ़ गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी हमेशा पाली को समय-समय पर विशेष सौगाते दी है। हाल ही में हमें विश्व प्रसिद्ध

वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिली है। सांसद चौधरी ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है। आज इन्फ्रास्ट्रक्चर की दृष्टि से रेलवे, रोड और एयर सुविधाओं में देश आगे बड़ रहा है। इसी कड़ी में आज मारवाड़ जंक्शन, ड़ालना और सोजत रोड को बहुत बड़ी सौगात मिली है। इससे आने वाले समय रेलों का विस्तार होने के साथ-साथ समय पर रेल आएगी। रेलवे का पुनर्विकास होने के साथ यहां पर जल्द कोरिडोर भी बनेगा। इससे ज्यादा से ज्यादा नई ट्रेन आएगी। पाली के लोगों को अधिक से अधिक सुविधा मिले इसके लिए मैं हमेशा से प्रयासरत हूं।मारवाड़ जंक्शन मुख्यालय रेलवे स्टेशन पर शिलान्यास कार्यक्रम का आज लाइव प्रसारण सैकड़ों नगर वासियों ने देखा एवं सम्मिलित हुए। जिला प्रमुख रश्मि सिंह, पूर्व विधायक कैसाराम चौधरी, मारवाड़ जंक्शन प्रधान मंगलाराम देवासी, ओबीसी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष हेमंत चौधरी, जिला महामंत्री सुनील भंडारी, जिला मंत्री जयवर्धन रांकावत सहित सैकड़ों भाजपा के पदाधिकारी एवं आसपास के अनेक क्षेत्रों से जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस विशेष शिलान्यास कार्यक्रम का लाइव प्रसारण में आसपास के अनेक क्षेत्रों के स्कूली छात्र छात्राओं को रेलवे प्रशासन द्वारा आमंत्रित किया गया। आजादी के महोत्सव के अंतर्गत उन्हें सांसद चौधरी ने स्मृति चिन्ह भी दिए गए। क्षेत्रवासियों ने इस सौगात के लिए सांसद चौधरी का अभिन्दन किया।

अत्यधिक रफ्तार ने दो जिंदगी गटकी

नेशनल हाईवे 719 की घटना

उमाकान्त शर्मा पुष्पांजली टुडे

भिण्ड।मेहगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत बरहद के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 719 पर एक यात्री बस और कार आपस मे टकरा गई हादसा इतना तेज था कि घटना स्थल पर हुई पति-पत्नी की मौत और दो बच्चे घायल हो गए। अभी तक प्राप्त जानकारी अनुसार मेहगांव बरहद के पास टाटा वर्कशॉप नेशनल हाईवे 719 पर सुबह लगभग 6ः30 बजे भिंड से ग्वालियर जा रही बस एवं ग्वालियर से भिंड आ रही कार में जोरदार भिड़ंत हो गई जिसमें ग्वालियर 14 बटालियन में कार्यरत प्रधान आरक्षक अनिरुद्ध सिंह एवं उनकी पत्नी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई सूचना मिलते ही मेहगांव पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और उचित कार्रवाई की आजकल राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की रफ्तार पर रोक नहीं लग पा रही है जिसके चलते कई जिंदगी या हादसे का शिकार हो रही है हादसा हो जाने के बाद प्रशासन हरकत में आता है फिर बाद में ठंडा पड़ जाता है यदि वाहनों की रफ्तार पर अंकुश लगाया जाए तो दुर्घटना होने की संभावना कम हो जाएगी।

चंद रुपयों, पैसे और कुछ समान के लिए गई एक और बेटी की जान

पिता का आरोप- मांग पूरी न करने पर ससुराल वालों ने मार डाला बेटी को

दैनिक पुष्पांजलि टुडे
सम्भागीय ब्यूरो चीफ

मैहर। हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भांजियों और बहनों के लिए तरह-तरह की योजनाएं चला रहे हैं, लेकिन मामा कि भांजिया सुरक्षित नहीं है, मामा की भांजियों को चंद रुपयों और कुछ दहेज के समान न मिल पाने के कारण किसी की बेटी को,किसी की बहन को जान से मारने में ये दहेज लोभी एक बार भी नही सोचते एक ऐसा ही मामला सामने आया है जहां बिटिया के पिता अयोध्या सिंह ग्राम बेलदरा तहसील मैहर हाल मुकाम ज्ञान कॉलोनी वार्ड क्रमांक 15 मैहर ने विगत 28 जुलाई को पुलिस महानिरीक्षक रीवा को दिए गए आवेदन में कहा है कि मेरे एकमात्र पुत्री प्रियंका सिंह थी जिसकी शादी हिंदू रीति रिवाज के अनुसार दिनांक 21 अप्रैल 2022 को ज्ञानेंद्र सिंह तनय झालखंड सिंह निवासी ग्राम पैपखरा थाना चोरहटा जिला रीवा के साथ सब संपन हुई।उसकी शादी में उनकी मांग के अनुसार दान दहेज भी पुत्री प्रियंका सिंह की विदाई के समय ही दिया गया था। जिसमें 12 लख रुपए नगद व 15 तोला सोना एवं 1 किलो चांदी के आभूषण व सभी प्रकार के घरेलू उपयोग के सामग्री दी गई। चूकि मैं शासकीय सेवा में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के पद पर मैहर मे पदस्थ था जो दिनांक 31 में 2023 को सेवानिवृत्तहो गया। इस बात की जानकारी मृतका के ससुराल वालों को भी थी और आए दिन मृतका से ज्ञानेंद्र सिंह के माध्यम से और दहेज 13 लाख रुपए की मांग किया करते थे। बोलते थे कि उक्त रुपए तुम्हारे पिताजी देने के लिए सक्षम इतना पैसा लेकर आओ हमको कुछ बड़ा व्यापार धंधा करना है।अगर रुपए लेकर नहीं आओगी तो तुमको अपनी जान से हाथ धोना पड़ेगा।इस मांग के पीछे पुत्री प्रियंका सिंह के ससुर झालखंड सिंह, सास रामजसी सिंह एवं बड़े जेट राम नारायण सिंह जो वर्तमान में सरपंच भी हैं जेठानी रेखा सिंह दिव्या सिंह व ननद शकुंतला सिंह जिनका विवाह हो चुका लेकिन वह अधिकतर ग्राम पैपखरा अपने मायके में ही रहती हैं इन सबके द्वारा लगातार पैसे की मांग की जा रही थी जिसकी सूचना मेरी पुत्री प्रियंका सिंह अपनी मां से फोन के माध्यम से और मुझे तथा अपने दोनों भाइयों से बताती रहती थी। कहती थी कि मुझसे लगातार दहेज के रुपयो की मांग की जाती है अगर रुपए नहीं दिया जाएगा तो यह सभी लोग एक राय होकर मुझे जान से भी मार सकते हैं। जब मैं दिनांक 31 मई 2023 को सेवानिवृत्त हुआ तब मेरी पुत्री व दमाद ज्ञानेंद्र सिंह दोनों एक दिन पूर्व मैहर 30 मई को मेरे घर आए और मेरे सेवानिवृत्त कार्यक्रम विदाई समारोह 31 मई को दोनों लोग सम्मिलित भी रहे। मैहर में 1 सप्ताह तक मेरे घर में रुके रहे। ग्राम पैपखरा जाने के एक दिन पूर्व रात्रि में मेरी पुत्री प्रियंका रो-रोकर कह रही थी कि मेरे ससुराल वाले पापा जो भी रुपए मांग कर रहे हैं उक्त रुपए मेरे ससुराल वालों को दिला दीजिए नहीं तो यह मुझे प्रताड़ित करेंगे व जान से भी मार देगे। जब मैं एवं उसकी मां ने पुत्री को समझाया कि बेटी अभी सेवानिवृत्त की राशि शासन विभाग से नहीं मिली है जब मिल जाएगी तब तुम्हें अवश्य मांगी गई राशि दे देंगे। इसके बाद 7 जुलाई 2023 को अपने ग्राम पैपखरा पुत्री और दामाद वापस चले गए। ससुराल जाने के बाद पुत्री अपनी मां से फोन में पैसे की मांग और अपने प्रताड़ना की बात कह रही थी तथा अपने हत्या की आशंका भी जाहिर कर रही थी। दिनांक 5 जुलाई 2023 को शाम 6 बजे मोबाइल नंबर 99 93 3156 405 पर बेटी जेठानी ने प्रार्थीं के फोन पर बताया कि प्रियंका फांसी लगाकर खत्म हो गई है जिसके बाद में परिवार सहित रात्रि में पैपखरा पुत्री के ससुराल गया और वहां जाकर देखा गया की पुत्री का कमरा अंदर से बंद नहीं था अपने निजी कमरे में छत के पंखे मे एक पंखी मे साड़ी के फंदे पर झूलती मिली तथा उसके

दोनों पैर जमीन में पूरी तरह रखे हुए थे एवं सर पर सफेद रंग की बनियान बंधी हुई थी तथा पुत्री के गले में पीठ में कमर के नीचे पैरो में जाघ में पेट के नीचे अन्य जगह में गंभीर चोटें मौजूद थी तथा उसके सिर के चोट से खून बह रहा था। उक्त चोटों को मैने घर और अस्पताल मे जहां पुत्री की लाश रखी थी की जिसे हमारे परिवार वालों ने देखा ऐसा लग रहा था कि दहेज की मांग पूर्ण न होने की वजह से सभी ससुराल पक्ष के लोगों ने एक राय होकर मारपीट के दौरान पुत्री की हत्या की गई गई। हत्या को आत्महत्या का रूप देने हेतु पुत्री को पंखा की पंखी से साड़ी फंसाकर फांसी पर लटका दिया गया। इस प्रकार मेरी पुत्री इन दहेज लोभियों की वजह से काल कबलित हो गई और अपराधी का अपने को बचाने के लिए राजनैतिक पहुंच व धन बल का उपयोग कर अपने को सुरक्षित करने की योजना बनाने लगे। मेरी पुत्री प्रियंका द्वारा कई बार इस प्रताड़ना के संबंध में वह मरने के ठीक पहले अपने मोबाइल से मेरे मोबाइल नंबर 9691 44 6375 दोपहर 2 बजे के करीब वॉइस मैसेज भी किया था इस प्रकार मेरी पुत्री को सभी आरोपी गणों ने मिलकर हत्या कर दी और उसे आत्महत्या का रूप दे रहे हैं। मेरी पुत्री के शरीर में जिस प्रकार से चोट के निशान व जिस प्रकार की मौके की परिस्थिति दिखाई दे रही थी जिससे प्रतीत होता है कि मेरी पुत्री की हत्या की गई है उसने कोई आत्महत्या नहीं की। मेरे द्वारा दिनांक 6 जुलाई 2023 को पुत्री का पोस्टमार्टम व दाह संस्कार कराने के लिए थाना चोरहटा जिला रीवा में लिखित शिकायत दी गई। पुत्री प्रियंका के साथ मारपीट का हत्या करने के बाद उसके ससुराल के सदस्यों द्वारा हत्या को आत्महत्या के रूप में परिवर्तित करने के उद्देश से पुत्री प्रियंका को फांसी पर लटका कर षड्यंत्र रचा गया है। इस प्रकार मेरी पुत्री की दहेज लोभियों ने अपनी मांग पूरी न होने पर हत्या कर दी। इसके बाद नगर पुलिस अधीक्षक रीवा के समक्ष दिनांक 12 जुलाई 2023 को हम पांच लोगों के कथन लिए गए। फिर दोबारा दिनांक 14 जुलाई 2023 को मेरे कथन लिए गए। मैं अपने कथन में प्रियंका के पति ज्ञानेंद्र सिंह, ससुर झालखंड सिंह, सास रामजसी सिंह,बड़े जेथ रामनारायण सिंह, सरपंच, जेठानी रेखा सिंह,दिव्या सिंह, नदंद शकुंतला सिंह कुल 7 लोगों के विरुद्ध दहेज के लिए प्रताड़ित करने की कथन दिए गए थे। परंतु सिर्फ पुत्री के पति ज्ञानेंद्र सिंह, ससुर झालखंड सिंह, सास रामजसी सिंह, को ही आरोपी बनाया गया है।लड़की के पिता ने उप पुलिस महानिरीक्षक रीवा को आवेदन देकर मांग की है कि उक्त प्रकरण में बड़े जेड राम नारायण सिंह सरपंच, जेठानी रेखा सिंह, दिव्या सिंह, ननंद शकुंतला सिंह को भी आरोपी बनाया जाए। क्योंकि उक्त प्रकरण के मार्ग जांच के दौरान सभी लोगों द्वारा दहेज प्रताड़ना के संबंध में बताया गया। कथन दिया गया था किंतु उक्त प्रकरण में मात्र तीन आरोपी बनाए गए। अन्य चार को छोड़ दिया गया है जबकि जेठ रामनारायण सिंह सरपंच ही परिवार का मुख्य मुखिया है पूरा परिवार सम्मिलित रूप से एक ही साथ एक ही घर में निवास करता है।

सार समाचार

लंबी कूद में जेसविन एल्ड्रिन ने जीता स्वर्ण

नई दिल्ली । मौजूदा सत्र में दुनिया में लंबी कूद में सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाने वाले जेसविन एल्ड्रिन ने स्विट्जरलैंड में सीआईटीआईयूएस मीटिंग में 8.22 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। यह एल्ड्रिन के करियर का चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ पिछले पांच महीने में सर्वश्रेष्ठ प्रयास है। इस 21 साल के खिलाड़ी ने दो मार्च को बेल्लारी में राष्ट्रीय ओपन कूद प्रतियोगिता के दौरान 8.42 मीटर की छलांग लगाई थी, जो इस सत्र में अब तक की दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने मई में हवाना (क्यूबा) में आठ मीटर से अधिक के दो प्रयास किए थे। बर्न में सीआईटीआईयूएस मीटिंग विश्व एथलेटिक्स टूर पर कांस्य स्तर की प्रतियोगिता है। जून में भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप में 7.98 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक जीतने वाले एल्ड्रिन ने हंगरी के बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप (19-27 अगस्त) के लिए क्वालीफाई कर लिया है। फिटनेस समस्या के कारण उन्होंने जुलाई में एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लिया था।

अदिति ने कट में जगह बनाई, दीक्षा चूकी

इर्विन । भारतीय गोल्फर अदिति अशोक यहां फ्रीड ग्रुप महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के दूसरे दौर में मामूली अंतर से कट में जगह बनाने में सफल रही जबकि दीक्षा डागर बड़े अंतर से चूक गई। अदिति ने दूसरे दौर में दो ओवर 74 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर तीन ओवर 147 हो गया। वह संयुक्त रूप से 65 वें स्थान पर है। वह कट में जगह बनाने वाली खिलाड़ियों में संयुक्त रूप से आखिरी स्थान पर रही। दीक्षा ने शुरुआती दौर में सात ओवर 79 का कार्ड खेला था जिसके बाद उन्हें कट में जगह के लिए दूसरे दौर में काफी अच्छा खेल दिखाना था। वह हालांकि दो ओवर 74 का कार्ड खेल सकी और कुल नौ ओवर के स्कोर के साथ कट में जगह बनाने में नाकाम रही।

स्पेन पहली बार महिला विश्व कप क्वार्टर फाइनल में

आकलैंड । ऐताना बोंमाटी के दो गोल की मदद से स्पेन ने स्विटजरलैंड को 5-1 से हराकर महिला विश्व कप फुटबॉल में पहली बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। ग्रुप चरण के आखिरी मैच में स्पेन को जापान ने 4-0 से हराया था। स्पेन के लिये अल्बा रेडोंडो, लेइया कोडिना और जेनिफर हर्मोसो ने भी गोल किये। कोडिना ने पहले हाफ में एक आत्मघाती गोल कर दिया था।

जापान से मिली हार के बाद स्पेन के कोच जॉर्ज विल्डा ने कुछ कठोर फैसले लिये। दो बार बलोन डिओर विजेता रही एलेक्सिस पुतेलास को बेंच पर बिठाया गया। शुरूआती टीम में पांच बदलाव किये गए जिसका फायदा शानदार प्रदर्शन के रूप में मिला।

अब स्पेन का सामना 2019 उपविजेता नीदरलैंड या दक्षिण अफ्रीका से शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में होगा।

डैथ ओवरों में बेहतर बल्लेबाजी के मकसद से उतरेगी टीम इंडिया

दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में भारतीय टीम बराबरी के लक्ष्य के साथ उतरेगी।

प्रोविडेंस पहला मैच गंवाने के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में भारतीय टीम जब पांच मैचों की श्रृंखला में बराबरी के लक्ष्य के साथ उतरेगी तो उसके नामी गिरामी आईपीएल सितारों की साख भी दांव पर लगी होगी। तारोबा में पहले मैच में वेस्टइंडीज ने चार रन से जीत दर्ज की थी। इस साल होने वाले वनडे विश्व कप के मद्देनजर इस टी20 श्रृंखला का उतना औचित्य नहीं है लेकिन कप्तान हार्दिक पंड्या और उपकप्तान सूर्यकुमार यादव व्यक्तिगत तौर पर और एक टीम के रूप में भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। इन दोनों के अलावा ईशान किशन, शुभमन गिल और संजू सैमसन की नजरें भी वनडे विश्व कप पर है लेकिन एशिया कप से पहले कुछ अच्छी पारियां खेलकर ये आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले तिलक वर्मा (22 गेंद में 39 रन) को छोड़कर भारत का कोई भी आईपीएल स्टार प्रभावित नहीं कर सका। पांच टी20 मैच नौ दिन के भीतर तीन देशों (त्रिनिदाद और टोबैगो, गयाना और अमेरिका) में खेले जाने है लिहाजा हार्दिक, गिल, ईशान, स्पिनर कुलदीप यादव को पर्याप्त आराम मिलना भी जरूरी है। भले ही टी20 टीम में युवा खिलाड़ी है लेकिन आराम किये बिना इतनी यात्रा करके उछालभरी पिचों पर लगातार खेलना अच्छा नहीं है।

अगले साल टी20 विश्व कप वेस्टइंडीज और अमेरिका में होना है लिहाजा इस श्रृंखला से भारत को सबसे छोटे प्रारूप में अपने विकल्प तलाशने का मौका मिला है। ऐसे में आईपीएल स्टार यशस्वी जायसवाल को भी मौका दिया जा सकता है। भारत की प्राथमिकता बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन की होगी। इस मैदान पर खेले गए 11 टी20 मैचों में से तीन बारिश की भेंट हो गए, जबकि आठ में से मेजबान ने पांच गंवाये है। टेस्ट और वनडे में खराब दौर के बावजूद टी20 में वेस्टइंडीज टीम मजबूत है क्योंकि उसके पास कई बिग हिटर है।

निकोलस पूरन, काइल मायर्स, शिमरोन हेटमायेर, रोवमैन पॉवेल, रोमारियो शेफर्ड इनमें प्रमुख है जिनके बल्ले पर अंकुश लगाना टेढी खीर होगा। भारत के लिये सूर्यकुमार यादव का बड़ी पारी खेलना जरूरी है। वहीं सैमसन भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा के साथ न्याय नहीं कर सके है। गेंदबाजों में युजवेंद्र चहल को वनडे में मौका नहीं मिल सका जो यहां अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे। डेथ ओवरों में अर्शदीप सिंह अभी सीख रहे है। आवेश खान और उमरान मलिक को भी मौका दिया जाना चाहिये ताकि यह देखा जा सके कि जीवंत पिचों पर वे एक्स फैक्टर बन पाते है या नहीं।

टीमः भारतः हार्दिक पंड्या (कप्तान), ईशान किशन, शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल,कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक, आवेश खान, मुकेश कुमार।

वेस्टइंडीजः रोवमैन पॉवेल (कप्तान), काइल मायर्स, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेस, शिमरोन हेटमायेर, जैसन होल्डर, शाइ होप, अकील हुसैन, अलजारी जोसेफ, ब्रेंडन किंग, ओबेद मैकॉय, निकोलस पूरन, रोमारियो शेफर्ड, ओडियन स्मिथ, ओशाने थॉमस।

विश्व कप में गिल का प्रदर्शन शानदार होगाः नायर

बेंगलुरु अभिषेक नायर ने कोलकाता नाइट राइडर्स के सहायक कोच के रूप में शुभमन गिल और रिंकू सिंह दोनों को करीब से देखा है और मुंबई के इस पूर्व दिग्गज को इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह जोड़ी भारतीय टीम में लंबे समय तक खेलेगी। गिल ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अपार क्षमता की झलक दिखायी है, जबकि रिंकू को इस महीने के आखिर में आयरलैंड दौरे पर तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान पदार्पण का मौका मिल सकता है।

नायर ने कहा, मुझे उनकी जबरदस्त क्षमता को लेकर कोई संदेह नहीं है। इन दिनों क्रिकेट में इतनी प्रतिस्पर्धा के साथ मौका प्राप्त करना आसान नहीं है। उन्हें अपने मौकों को पूरी तरह से भुनाने की जरूरत है। यह सब मानसिक दबाव से निपटने के बारे में है। गिल वेस्टइंडीज के मौजूदा दौरे पर अभी तक प्रभाव नहीं छोड़ पाये है और छह पारियों में से चार बार स्पिनरों का शिकार बने।

नायर से जब पूछा गया कि एकदिवसीय विश्व कप में स्पिनरों के अनुकूल पिचों के कारण यह परेशानी की बात है, तो उन्होंने कहा,मैं शुभमन को लेकर चिंतित नहीं हूं क्योंकि उनकी तकनीक में कोई खामी नहीं है। एक युवा क्रिकेटर के लिए इतना क्रिकेट खेलना और लगातार अच्छा प्रदर्शन करना कठिन है।

आपको उसमें कुछ छूट देनी होगी। उन्होंने कहा, वह वेस्टइंडीज में खेल रहा है, जहां परिस्थितियां बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं है। मैच कम स्कोर वाले हो रहे है। यह अनुभव उन्हें और बेहतर बनाएगा। मुझे लगता है कि उसका विश्व कप शानदार रहने वाला है। नायर ने कहा कि चयनकर्ताओं को रिंकू की छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए उन्हें लंबे समय तक मौका देना चाहिए।

उन्होंने कहा,आप जानते हैं, उसकी परवरिश के कारण ऐसी संभावना है कि उसे (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ढलने में) थोड़ा और समय लग सकता है। लेकिन वह एक शानदार खिलाड़ी है। कोई भी व्यक्ति जिसका प्रथम श्रेणी क्रिकेट में औसत 60, लिस्ट ए में 50 और टी20 में 30 के आसपास है वह एक शानदार खिलाड़ी है। मुंबई के पूर्व ऑलराउंडर ने कहा कि रिंकू जैसी प्रतिभाएं भारतीय क्रिकेट में बहुत कम आती है।

उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट में छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए काफी कम विकल्प है, खासकर बाएं हाथ का। रिंकू के पास इस क्रम पर अच्छा करने की क्षमता है।

नायर ने कहा, इसलिए, मैं उसके लिए लंबे समय तक मौका देना जारी रखना पसंद करूंगा और उम्मीद है कि चयनकर्ता उस पर विश्वास बनाए रखेंगे। रिंकू भी ऐसा खिलाड़ी है जो अपने समग्र रवैये से टीम को अच्छा विकल्प देता है।

पेनल्टी कॉर्नर पर रहेगा भारतीय हॉकी टीम का फोकस

चेन्नई खिताब की प्रबल दावेदार तीन बार की चैम्पियन भारतीय टीम एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के अगले मैच में रविवार को मलेशिया से खेलेगी तो फोकस पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने का प्रतिशत सुधारने पर होगा। जापान के खिलाफ शुक्रवार को मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम पर खेले गए मैच में भारत को 15 पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन एक पर ही गोल हो सका।

भारत के पास कप्तान हरमनप्रीत सिंह, वरूण कुमार, अमित रोहिदास और जुगराज सिंह जैसे धुरंधर होते हुए भी ऐसा प्रदर्शन चिंता का सबब है। चीन के खिलाफ पहले मैच में भारत ने 7-2 से जीत दर्ज की थी जिसमें से छह गोल पेनल्टी कॉर्नर पर हुए थे। जापान ने भारत को 1-1 से ड्रॉ पर रोका। हरमनप्रीत सिंह ने एकमात्र गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किया। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने चिंता जताई लेकिन कहा कि टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने से ज्यादा दूर नहीं है।

उन्होंने कहा,मौके नहीं भुनाने से कोच का चिंतित होना स्वाभाविक है। हम अपनी रणनीति पर अमल नहीं कर रहे, ऐसा नहीं है। हम परफेक्ट फिनिशिंग से कुछ ही दूर है। पेनल्टी कॉर्नर पर अत्यधिक निर्भरता भी भारत की चिंता का कारण है। खिलाड़ी सर्कल के भीतर जाने या फील्ड गोल करने से बच रहे है। कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, हम उसी तरह से हमले करने की कोशिश करेंगे जिससे हमें पहले मैच में गोल मिले।

खेल सुर्खिया

शिवाजी स्टेडियम में कब लौटेगी हॉकी की रौनक?

जिस शिवाजी स्टेडियम में कभी हॉकी के मेले लगते थे, जिसे भारतीय हॉकी की शरणगाह कहा जाता था वह पिछले कई सालों से वीरान पड़ा है। जिस स्टेडियम में देश के तमाम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री कभी न कभी हॉकी को गौरवान्वित करने और खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने आते थे, उसे जैसे भारतीय हॉकी की अवैध संतान की तरह दुत्कार दिया गया है। हैरानी वाली बात है कि जिस मैदान की घास और कृत्रिम टर्फ पर खेल कर सैकड़ों खिलाड़ी स्टार बने उसकी कोई सुध क्यों नहीं लेता? क्यों देश की हॉकी की शान कहा जाने वाला नेहरू हॉकी टूर्नामेंट अंतिम सांसें ले रहा है?

भले ही हॉकी बदल रही है और इस बदलाव का असर खिलाड़ियों और खेल मैदानों पर भी पड़ा है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि जो शिवाजी स्टेडियम देश के सैकड़ों हजारों खिलाड़ियों के दिल दिमाग में रचा बसा है उसे यूं ही भुला दिया जाए। जिस किसी ने बीसवीं सदी के आखिरी चार दशकों में दिल्ली का दिल कहे जाने वाले शिवाजी स्टेडियम पर हॉकी के नजारे देखे है उसे तो नई दिल्ली नगर पालिका के इस स्टेडियम का सूना पन जरा भी नहीं भाता होगा। कारण कई है लेकिन सच्चाई यह है कि भारतीय हॉकी के पतन के चलते उसके महान खिलाड़ियों, आयोजकों, हॉकी प्रेमियों और हॉकी से जुड़े समर्पितों को भुला दिया गया है।

यह सही है कि देश के कुछ अन्य राज्यों, बड़े छोटे शहरों में आधुनिक हॉकी को विकसित किया जा रहा है। कुछ सरकारें और उद्योगपति हॉकी पर लाखों करोड़ों खर्च कर रहे हैं लेकिन दिल्ली के दिल कनॉट प्लेस से सटे शिवाजी स्टेडियम में भारतीय हॉकी की आत्मा बसती है।

स्वर्गीय दद्दा ध्यान चंद, स्व बलबीर सिंह, चरणजीत सिंह, पृथीपाल, केडी बाबू, शंकर लक्ष्मण, अजीत पाल, अशोक ध्यानचंद, जफर इकबाल, असलम शेर खान, धनराज पिल्ले और तमाम महान खिलाड़ियों के दिल दिमाग में शिवाजी स्टेडियम की मखमली घास पर खेले जाने वाले और सालों से आयोजित हो रहे नेहरू हॉकी टूर्नामेंट की सुनहरी यादें रची बसी रहीं।

बेशक, नेहरू हॉकी सोसायटी में अब शिव कुमार वर्मा, केजी कक्कड़, एनसी सरीन, हमीद, नंदी सिंह, वाईआर खट्टर, केएन शर्मा, कुलानंद शर्मा जैसे समर्पित पदाधिकारी नहीं रहे लेकिन कुक्कू वालिया की वर्तमान टीम संगठित प्रयासों से नेहरू हॉकी को फिर से जिंदा कर सकती है। इसी प्रकार शास्त्री हॉकी टूर्नामेंट सोसायटी और अन्य आयोजक शिवाजी स्टेडियम को फिर से आबाद कर सकते है। शिवाजी स्टेडियम पर हॉकी की पहले सी वापसी में एनडीएमसी, हॉकी इंडिया और हॉकी दिल्ली बड़ी और सकारात्मक भूमिका निभाएं और दिल्ली सरकार सहयोग करे तो हॉकी के गौरवशाली दिन फिर लौट सकते है।

प्रणय ऑस्ट्रेलिया ओपन के फाइनल में पहुंचे

सिडनी भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय ने शनिवार को यहां हमवतन प्रियांशु राजावत को सीधे गेम में हराकर ऑस्ट्रेलिया ओपन के फाइनल में जगह बनायी। दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने 21 वर्षीय राजावत की चुनौती को 43 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-12 से खत्म किया। ऑरलियन्स मास्टर्स चैंपियन राजावत पहली बार सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। उन्होंने मैच के पहले गेम में अच्छा प्रदर्शन किया और छठी वरीयता प्राप्त प्रणय को कड़ी टक्कर दी।

इस साल मई में मलेशिया मास्टर्स जीतने वाले प्रणय ने अपने अनुभव का भरपूर उपयोग करते हुए दूसरा गेम आसानी से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। सुपर 500 स्तर के टूर्नामेंट में साल के दूसरे फाइनल में प्रणय का सामना चीन के वेंग होंग यांग से होगा। प्रणय ने विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज वेंग को हराकर ही मलेशिया मास्टर्स में जीत के साथ छह साल के खिताबी सूखे को खत्म किया था। शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में प्रणय ने दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एंथोनी गिंटिंग को 73 मिनट तक चले मुकाबले में पहला गेम गंवाने के बावजूद हराया था।

राजावत को तेज स्मैश और नेट के शानदार इस्तेमाल के लिए जाना जाता है लेकिन प्रणय ने भारत के इस युवा खिलाड़ी के खिलाफ अपने अनुभव का शानदार इस्तेमाल किया। राजावत ने 2-0 की बढ़त के साथ मैच का शुरू किया लेकिन प्रणय ने लगातार चार अंक जुटाकर बढ़त बना ली। मध्य प्रदेश के 21 साल के खिलाड़ी ने इसके बाद शानदार स्मैश लगा कर प्रणय को चौंकाया और स्कोर 7-7 से बराबर कर दिया।

वह हालांकि असहज गलतियों को नियंत्रित नहीं कर पाये जिससे ब्रेक के समय प्रणय ने दो अंक की बढ़त बना ली थी। राजावत ने कुछ शानदार रैलियों के दम पर अगले पांच में से चार अंक अपने नाम किये। प्रणय को कड़ी टक्कर देते हुए उन्होंने स्कोर 14-14 और फिर 18-18 किया।

प्रणय ने दमदार स्मैश और बैकहैंड के शानदार इस्तेमाल से दो गेम प्वाइंट हासिल किया और लगातार तीसरे अंक के साथ पहला गेम जीत लिया। पहला गेम गंवाने के बाद राजावत ने दूसरे गेम में और अधिक जोर लगाया लेकिन इस दौरान उन्होंने गलतियां भी ज्यादा की। प्रणय ने 5-2 की बढ़त बनायी लेकिन राजावत ने कुछ अच्छे स्मैश के दम पर अनुभवी खिलाड़ी को बड़ी बढ़त हासिल करने से रोक रखा। उन्होंने 41 शॉट तक चले रैली को जीतकर स्कोर 7-7 से बराबर किया।

राजावत के कुछ शॉट पर शटल नेट से टकराया तो कुछ कोर्ट के बाहर जा गिरा जिससे ब्रेक के समय प्रणय ने 11-7 की बढ़त बना ली।

टेलर फ्रिट्ज डीसी ओपन सेमीफाइनल में

वाशिंगटन । अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने लगातार दो मुकाबले जीतकर डीसी ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। पहले उन्होंने ब्रिटेन के एंडी मर्रे को 6-7, 6-3, 6-4 से हराया। बारिश के कारण यह मुकाबला बृहस्पतिवार को नहीं खेला जा सका था। इसके बाद जोर्डन थाम्पसन को 6-3, 6-3 से मात दी। यह इस सत्र में उनकी 41वीं जीत थी और उनसे अधिक मैच नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और तीसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने ही जीते है।

अन्य मैचों में फ्रांस के गाएल मोंफिल्स ने जेजे वोल्फ को 7-5, 6-4 से हराया। फ्रांस के ही फ्रांसिस टियाफो ने क्वालीफायर शांग जुनचेंग को 6-2, 6-3 से मात दी। अब उनका सामना नौवीं रैंकिंग वाले डेन इवांस से होगा। महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने एलिना स्वितोलिना को 4-6, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

पैरा बैडमिंटनः प्रमोद, सुकांत सेमीफाइनल में

नई दिल्ली । शीर्ष शटलर प्रमोद भगत और सुकांत कदम ने 4 देशों के पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। प्रमोद भगत ने सभी श्रेणियों में जबकि सुकांत कदम ने दो श्रेणियों में सेमीफाइनल में जगह बनाई है। पद्मश्री विजेता ने क्वार्टर फाइनल में भारत के नेहल गुप्ता को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। 44 मिनट का मैच काफी कड़ा रहा और स्कोर 21-18, 21-18 रहा। अब सेमीफाइनल में प्रमोद का मुकाबला भारत के कुमार नितेश से होगा।

विश्व पुरुष युगल में प्रमोद और सुकांत की नंबर 1 जोड़ी ने अपने दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है, अब उनका मुकाबला भारत के कुमार नितेश और तरूण से होगा। मिश्रित युगल में, प्रमोद और मनीषा रामदास ने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के लुकास मजूर और फॉस्टीन नोएल को सीधे गेमों में हराया। फ्रांसीसी जोड़ी ने कभी भी भारतीय जोड़ी को चुनौती नहीं दी और अंतिम स्कोरलाइन 21-17, 21-14 रही। अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला भारत की मानसी जोशी और रूथिक रघुपति से होगा।

चंद्रमुखी 2 से कंगना रनौत का लुक रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की आने वाली फिल्म चंद्रमुखी 2 से उनका लुक रिलीज हो गया है। 'चंद्रमुखी 2' का निर्देशन पी. वासु ने किया है। यह फिल्म रजनीकांत की सुपरहिट फिल्म चंद्रमुखी की सीक्वल है। चंद्रमुखी 2 में राघव लॉरेंस और कंगना रनौत की मुख्य भूमिका है। मेकर्स ने 'चंद्रमुखी 2' से कंगना रनौत का फर्स्ट लुक जारी किया है। लायका प्रोडक्शन्स की तरफ से कंगना के लुक को शेयर करते हुए लिखा गया, सुंदरता और मुद्रा जो हमारा ध्यान खींच लेती है! पेश है चंद्रमुखी2 से चंद्रमुखी के रूप में कंगना रनौत का ईर्ष्यापूर्ण, प्रभावशाली और भव्य पहला लुक।' पोस्टर में कंगना ,महारानी के अवतार में काफी शानदार लग रही हैं। उन्होंने भारी भरकम ग्रीन कलर का आउटफिट पहना हुआ है और उसके साथ हेवी फिल्म चंद्रमुखी 2, 5 भाषाओं तमिल, हिंदी, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी। यह फिल्म गणेश चतुर्थी के मौके पर 19 सितंबर को रिलीज होगी।

नवंबर में शुरू होगी तेरे इश्क में की शूटिंग

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार धनुष की आने वाली फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग नवंबर 2023 से शुरू हो सकती है। जाने-माने निर्देशक आनंद एल राय, धनुष को लेकर फिल्म तेरे इश्क में बनाने जा रहे हैं। इससे पूर्व आनंद एल राय, धनुष के साथ रांझणा और अतरंगी रे बना चुके हैं।फिल्म तेरे इश्क में में धनुष अपना दर्द बयां करते दिखेंगे। इस बार उनके किरदार का नाम शंकर होगा। चर्चा है कि फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग इसी साल नवंबर 2023 से शुरू हो जाने वाली है। साथ ही फिल्म को एक साथ तीन महीने की लॉन्ग शूटिंग शिड्यूल के साथ पूरा कर लिया जाएगा। फिल्म की कहानी उत्तर प्रदेश के बेकग्राउंड पर आधारित होगी।

फिल्म का स्क्रिप्टिंग वर्क पूरा हो चुका है। फिल्म प्री-प्रोडक्शन स्टेज में ही है। जिसके बाद जल्दी ही फिल्म की कास्टिंग का काम शुरू होना है। फिलहाल फिल्म में धनुष के अपोजिट लीड एक्ट्रेस का भी नाम फाइनल नहीं हुआ है।निर्माता-निर्देशक इस फिल्म को अगले साल 2024 तक रिलीज करने की तैयारी में हैं।

टेलर स्विफ्ट ने बियांका को लगाया गले

अमेरिकी गायिका और गीतकार टेलर स्विफ्ट ने आखिरकार यह दिखा दिया है कि उनका दिल कितना बड़ा है। हाल ही में अपने एराज दौरे पर शो करते समय टेलर स्विफ्ट ने कोबे ब्रायंट की बेटी बियांका को गले लगाया और उन्हें ढेर सारा प्या र दिया। रिपोर्ट के अनुसार लॉस एंजिल्स में शो के दौरान अमेरिकी गायिका टेलर स्विफ्ट ने छह साल की बच्ची पर खूब प्या र बरसाया। गायिका ने बच्चीक को गले गलाया और उसे अपनी हेट दी। मिरर.को.यूके के अनुसार टेलर स्विफ्ट ने हेट उपहार में देने से पहले बियांका को कुछ शब्द कहे।

सो-फाई स्टेडियम में टेलर के शो के दर्शकों में कोबे की पत्नी वेनेसा और उनकी बेटी स्विफ्टीज भी मौजूद थीं। अपने दिवंगत पति लीजेंड कोबे ब्रायंट को श्रद्धांजलि देते हुए वेनेसा ने अपनी बेटी को एक कस्टम जीन जेकेट पहनाया था, जिसके पीछे लीजेंड कोबे ब्रायंट की यादें थी। कोबे ब्रायंट की 2020 में एक भयानक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई थी। वेनेसा की बेटी जियाना भी टेलर और वेनेसा की बहुत बड़ी प्रशंसक थीं और उन्होंने हाल ही में शो में भाग लेने से पहले "यू बिलॉन्ग विद मी" गाते हुए अपनी और अपनी दिवंगत बेटी का एक वीडियो साझा की थी। वेनेसा ने इस पल को इंस्टाग्राम पर साझा किया था।

नुसरत भरूचा की फिल्म अकेली का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा की आने वाली फिल्म अकेली का ट्रेलर रिलीज हो गया है। प्रणय मेश्राम के निर्देशन में बनी फिल्म 'अकेली' इराक के सिविल वॉर में फंसी एक भारतीय लड़की की कहानी पर आधारित है। यह लड़की इराक में 2014 में चल रहे सिविल वॉर में फंस जाती है और वहां से निकलर अपनी जान बचाने की हर संभव कोशिश करती है। फिल्म में नुसरत के साथ लीड रोल में इजराइली अभिनेता त्साही हलेवी और आमिर बोट्रॉस नजर आयेंगे।

ट्रेलर की शुरुआत में इराक में हाथों में बंदूक लिए नकाबपोश लोग दिखते हैं। इसके बाद नुसरत की बेकस्टोरी दिखाई गई है कि केसे वो इराक पहुंचती हैं। नुसरत पंजाब के एक छोटे से शहर की रहने वाली लड़की है जिसे इराक के मोसुल में जॉब मिलती है। लेकिन, इस बीच आईएसआईएस और इराक के बीच जंग छिड़ जाती है और आईएसआईएससे जुड़े लोग उनके ऑफिस के लोगों को होस्टेज बना लेते हैं। फिल्म अकेली को नितिन वेद्य, निनाद वेद्य और अपर्णा पड़गांवकर ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 18 अगस्त को रिलीज होगी।

रामी मालेक और लुसी बॉयटन का ब्रेकअप

'बोहेमियन रेप्सोडी' में रॉक लेजेंड फ्रेडी मर्करी का किरदार निभाने वाले एक्टर रामी मालेक पांच साल बाद अपनी गर्लफ्रेंड लूसी बॉयटन से अलग हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों कलाकारों की मुलाकात 'बोहेमियन रेप्सोडी' के सेट पर हुई थी। लुसी ने फिल्म में फ्रेडी की गर्लफ्रेंड मैरी ऑस्टिन की भूमिका निभाई थी। रामी ने फिल्म में अपनी भूमिका के लिए ऑस्कर जीता। अंदरूनी सूत्रों ने द सन को बताया कि इस साल की शुरुआत में कपल का ब्रेकअप हो गया। आखिरी बार इस साल फरवरी में दोनों की एक साथ तस्वीर सामने आई थी। एक सूत्र ने द सन को बताया,रामी और लुसी दोनों अपनी लाइफ में आगे बढ़ रहे हैं और काम में बिजी हैं। मिरर.सीओ.यूके के अनुसार, ऐसी अफवाह है कि ब्रेकअप के बाद से रामी इमोशनल सपोर्ट के लिए कई दोस्तों के साथ घूम रहे हैं, इनमें द क्राउन की एम्मा कोरिन भी शामिल हैं। दोनों को जुलाई में हाइड पार्क में ब्रूस स्प्रिंगस्टीन कॉन्सर्ट में देखा गया था। जब रामी ने 'बोहेमियन रेप्सोडी' में बेस्ट एक्टर का ऑस्कर जीता, तो उन्होंने अपनी स्पीच में कहा,लुसी बॉयटन आप इस फिल्म की जान हैं, आप बेहद प्रतिभाशाली हैं, आपने मेरा दिल जीत लिया है। रामी हाल ही में 'ओपेनहाइमर' में डेविड हिल के रूप में एक न्यूक्लियर फिजिसिस्ट के रूप में दिखाई दिए, जिन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान परमाणु बम बनाने में मदद की थी।

49 की हुई काजोल, लीक से हटकर हर दौर में किया कुछ अलग काम

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री काजोल आज 49 वर्ष की हो गयी। 05 अगस्त 1974 को मुंबई में जन्मी काजोल को अभिनय की कला विरासत में मिली। उनके पिता सोमु मुखर्जी निर्माता जबकि मां तनुजा जानी मानी फिल्म अभिनेत्री थी। घर में फिल्मी माहोल रहने के कारण काजोल अक्सर अपनी मां के साथ शूटिंग देखने जाया करती थी। इस वजह से उनका भी रूझान फिल्मों की ओर हो गया और वह भी अभिनेत्री बनने के ख्वाब देखने लगी। काजोल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा संत जोसेफ कान्वेंट पंचगनी से की।

इसके बाद उन्होंने बतौर अभिनेत्री अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 1992 में प्रदर्शित फिल्म 'बेखुदी' से की। युवा प्रेम कथा पर बनी इस फिल्म में उनके नायक की भूमिका कमल सदाना ने निभायी लेकिन कमजोर पटकथा और निर्देशन के कारण फिल्म टिकट खिड़की पर असफल साबित हुयी। वर्ष 1993 में काजोल को अब्बास-मुस्तान की फिल्म 'बाजीगर' में काम करने का अवसर मिला। इस फिल्म में उनके नायक की भूमिका शाहरूख खान ने निभायी थी। यूं तो पूरी फिल्म शाहरूख खान पर केन्द्रित करके बनायी गयी है लेकिन काजोल ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया।

वर्ष 1994 काजोल के सिने कैरियर में अहम वर्ष साबित हुआ। इस वर्ष उनकी उधार की जिंदगी, ये दिल्लगी और करण अर्जुन जैसी फिल्म प्रदर्शित हुयी। उधार की जिंदगी टिकट खिड़की पर असफल साबित हुयी लेकिन काजोल ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लियावही बांबे फिल्म जर्नलिस्ट ऐशोसियेशन द्वारा सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित की गयी। वर्ष 1994 में ही काजोल को यश चोपड़ा के बेनर तले बनी फिल्म ये दिल्लगी में काम करने का अवसर मिला। इस फिल्म में उनके नायक की भूमिका अक्षय कुमार और सैफ अली खान ने निभायी। इस फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये वह पहली बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामांकित की गयी। वर्ष 1995 में काजोल को यश चोपड़ा की ही फिल्म ..दिलवाले दुल्हनियां ले जायेंगे.. में काम करने का अवसर मिला जो उनके सिने कैरियर के लिये मील का पत्थर साबित हुयी। काजोल और शाहरूख खान के बेहतरीन अभिनय से सजी यह फिल्म सुपरहिट साबित हुयी। वर्ष 1997 में काजोल को निर्माता निर्देशक राजीव राय की फिल्म 'गुप्त' में काम करने का अवसर मिला। वह फिल्म भी सुपरहिट साबित हुयी।फिल्म गुप्त ..में काजोल का किरदार ग्रे शेडस लिये हुये था। फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये वह सर्वश्रेष्ठ खलनायक के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित की गयी। फिल्म इंडस्ट्री के इतिहास का पहला मोका था जब किसी अभिनेत्री को सर्वश्रेष्ठ खलनायक का फिल्म फेयर पुरस्कार दिया गया था।

वर्ष 1998 में काजोल के सिने करियर की एक और अहम फिल्म 'दुश्मन' प्रदर्शित हुयी।इस फिल्म में काजोल ने अपने सिने करियर में पहली बार दोहरी भूमिका निभाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया।फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये वह सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामांकित की गयी। वर्ष 1998 में ही काजोल की प्यार तो होना ही था और कुछ कुछ होता है जेसी फिल्में प्रदर्शित हुयी। इन दोनों फिल्मों के लिये भी वह सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामांकित की गयी। यह उनके सिने करियर में पहला अवसर था जब एक वर्ष में तीन फिल्मों के लिये उन्हें फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामांकित किया गया था।वर्ष 1999 में काजोल को सतीश कोशिक निर्देशित फिल्म 'हम आपके दिल में रहते है' में काम करने का मोका मिला। फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये काजोल सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामांकित भी की गयी।

इसी वर्ष काजोल ने अभिनेता अजय देवगन के साथ शादी कर ली। इसके बाद उन्होंने फिल्मों में काम करना काफी हद तक कम कर दिया। वर्ष 2001 में प्रदर्शित फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' के बाद काजोल ने फिल्म इंडस्ट्री से किनारा कर लिया। वर्ष 2006 में काजोल ने यश चोपड़ा के बेनर तले बनी फिल्म 'फना' के जरिये फिल्म इंडस्ट्री में अपनी धमाकेदार वापसी की।

काजोल के सिने केरियर में उनकी जोड़ी अभिनेता शाहरूख खान के साथ खूब जमी। काजोल अपने सिने केरियर में चार बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित की जा चुकी है। वर्ष 2011 में काजोल पदमश्री पुरस्कार से भी सम्मानित की गयी। वर्ष 2018 में काजोल की फिल्म हेलीकॉप्टर इला प्रदर्शित हुयी लेकिन कोई कमाल नहीं दिखा सकी। वर्ष 2020 में काजोल ने अजय देवगन के साथ की फिल्म तानाजी : द अनसंग हीरो : में काम किया जो सुपरहिट साबित हुयी। काजोल की हाल ही में वेबसीरीज द ट्रायल- प्यार कानून धोखा प्रदर्शित हुयी है। काजोल की आने वाली फिल्मों में दो पत्ती प्रमुख है।

निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारी गलती करेंगे तो क्षम्य नहीं होगी: कलेक्टर

मुरैना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर ऑफिसर, बीएलओ की बैठक हुई आयोजित

मुरैना। निर्वाचन कार्य को पूरी निष्पक्षता एवं ईमानदारी से कराने में बीएलओ एवं सेक्टर अधिकारियों की अहम भूमिका है। यह बात पॉलिटेक्निक कॉलेज मुरैना में कलेक्टर अंकित अस्थाना ने मुरैना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर ऑफिसर एवं बीएलओ से शनिवार को कही। कलेक्टर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव कार्य में जो भी अधिकारी लगे हैं, उनकी गलती क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन के लिए जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका पूरी तरह से अध्ययन कर ईमानदारी के साथ पूरा करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य को संपादित कराने में सेक्टर ऑफिसर, बीएलओ सभी मतदान केंद्रों का भौतिक रूप से निरीक्षण करें। मूलभूत सुविधाओं एवं पूर्व निर्वाचन के दौरान घटित घटना के बारे में भी पूरी जानकारी प्राप्त करें। कलेक्टर ने कहा कि 2 अगस्त से मतदाता सूची में नाम जोडने, हटाने एवं संशोधन करने का कार्य जारी है। सेक्टर अधिकारी अपने सेक्टर का भ्रमण कर मतदान केंद्रों पर नियुक्त बूथ लेवल अधिकारी से पूरी जानकारी लें। कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक सेक्टर अधिकारी को निर्वाचन प्रक्रिया शुरू

होने के पूर्व दो बार सेक्टर का भ्रमण कर मतदान केंद्रों की सूची एवं उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी लेना है। मतदान केंद्रों के भ्रमण के दौरान इस बात की भी जानकारी स्थानीय लोगों से हासिल करें कि पूर्व चुनावों में किसी भी प्रकार की घटना, दुर्घटना, पुनर्मतदान की स्थिति निर्मित हुई है। महिला मतदाताओं का मतदान शत प्रतिशत बढ़वाने का भी मुख्य कार्य है। समस्त बीएलओ प्रतिदिन अपने अपने मतदान केंद्रों पर बैठे, पात्र नवीन मतदाताओं के फार्म जमा कराएं। मतदाता सूची पूरी तरह से त्रुटि रहित होना चाहिए। मतदाता सूचियों में किसी प्रकार की त्रुटि न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों को लेकर भी समस्त बीएलओ एवं सेक्टर अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं में बिजली, पानी की सुविधा आवश्यक रूप से उपलब्ध हो। दिव्यांगजनों के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर रैंप की व्यवस्था सुनिश्चित हो। निर्वाचन को लेकर जो जिम्मेदारी बीएलओ एवं सेक्टर अधिकारियों को सौंपी गई है, उसे पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी एवं सतर्कता के साथ संपादित करें। बैठक में मुरैना एसडीएम बीएस कुशवाह, तहसीलदार श्रीमती बंदना, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, बीआरसी, प्राचार्य, सेक्टर ऑफिसर, बीएलओ सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

थाना मौ पुलिस ने एक स्थाई व तीन गिरफ्तारी वारंटी को किया गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशन में चलाये जा रहे आरोपीयों की धर पकड अभियान के तहत थाना मौ पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस गोहद सौरभ कुमार के मार्ग दर्शन में आज दिनांक 06/08/2023 को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी गोहद के स्थाई वारंटी में प्रकरण क्र 419/17 एवं गिरफ्तारी वारंटी के प्रकरण क्र. 87/18, 145/18, 704/20 में आरोपी को गिरफ्तार किया गया है जिसे जेएमएफसी गोहद के समक्ष पेश किया जावेगा। पुलिस की कार्यवाही में उक्त सराहनीय कार्य में पुलिस थाना मौ के निरीक्षक उदयभान सिंह यादव, उपनिरीक्षक प्रवेन्द्र सिहं सिंह, सहायक उपनिरीक्षक नेतरामसिहं, आरक्षक गन्धर्व गुर्जर,शैलेन्द्र गुर्जर,सत्य प्रताप सिहं,विनोद, आरक्षक चालक अचित्र की सराहनीय भूमिका रही है।

मालनपुर नगर परिषद क्षेत्र में आम आदमी पार्टी ने बनाई ग्राम एवं वार्ड समितियां

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद। विधानसभा के नगर परिषद मालनपुर में 5/8/2023 आम आदमी पार्टी के तत्वावधान में ग्राम/वार्ड समिति बनाने के अभियान को लेकर भिंड प्रभारी गुरुशरण सिंह कपूर के निर्देशानुसार बैठक आयोजित की गई जिसमें जिला उपाध्यक्ष भिंड आबिद अली, लोकसभा संयुक्त सचिव राजकुमार राजावत, वरिष्ठ नेता डॉक्टर जगदीश सिंह नामधारी सक्रिय कार्येकर्ता प्रेम सिंह जाटव प्रदीप नगर मुख्य रूप से उपस्थित हुये। मालनपुर के सक्रिय साथी महेंद्र सिंह, दीवान सिंह गुर्जर, चुन्ने शाह, बच्चन बाबा अंकुर भदौरिया, सूरज भान ,दिलीप कुमार, राजकुमार, राजेन्द्र सिंह, सतीश सिरोठिया, कंजा खान, यूनिस खान, अनुज सिंह, बॉबी जर्मन, विक्रम धाकड़, रामराज सिंह,मनोज, ब्रजमोहन, पुरषोत्तम, दलबीर, केदार प्रशाद माहौर, राम सहाय,धर्मवीर सिंह, आदि साथी मुख्य रूप से बैठक में उपस्थित रहे संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा हुई।

निर्मल विचार और उतम आचरण ही धर्म है : संत शीतल राजाराम

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू। सीरवी समाज एच.एस.आर ले आऊट के तत्वाधान में चातुर्मास विराजित संत रामप्रकाश महाराज ने प्रवचन में कहा कि जीवन एक कोरा कागज की तरह है । जिस पर धर्म के गीत लिखे तो स्वर्ग बन जाता और गालिंया लिखे तो नरक बन जाता है। जीवन को तीर्थ बनाया तो निखर जाएगा और नरक बनाया तो बिखर जाएगा। यह हम तय करना है कि हम अपना जीवन किस तरह का बनाना है।उन्होंने कहा कि आत्मा के बिना जीवन का कोई अर्थ नही है। वडेर के अध्यक्ष फाऊलाल परिहारिया , उपाध्यक्ष मांगीलाल चोयल, सह-सचिव केनाराम मुलेवा,गेनाराम मांगीलाल सोलंकी ,जगाराम परिहारिया , नवयुवक मण्डल अध्यक्ष महेंद्र राठौड़, उपाध्यक्ष टीकमराम आगलेचा सचिव मदनलाल उपस्थित रहें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे संत रामप्रकाश महाराज का एच.एस.आर ले आऊट वडेर के पदाधिकारीओं ने माला साफा शॉल द्वारा स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष हरीराम गहलोत, सचिव अमराराम चोयल, सह -सचिव भंवरलाल गेहलोत, कोषाध्यक्ष मोतीराम लचेटा ,पूर्व सचिव ओमप्रकाश बर्फा, खेल मंत्री दुदाराम काग, राजूराम पवांर का समाज की ओर से साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य मौजूद थे।

गृहमंत्री नारू दादा क्या तानाशाह हैं, नायक के आरोप पर विचार कीजिये

भोपाल/ ग्वालियर। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा के खराब रवैये व उन पर तानाशाह होने का आरोप लगाकर दतिया के भाजपा नेता अवधेश नायक ने भाजपा छोड कांग्रेस ज्वाइन कर ली है। इसकी दतिया में जबरदस्त चर्चा भी है । पिछले डेढ दो दशकों से दतिया पर एक छत्र राज कर रहे डॉ नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ भाजपा में यह पहली बडी बगावत है। लेकिन क्या डॉ नरोत्तम मिश्रा का रवैया खराब है या वह तानाशाह हैं, इसको दतिया के लोग संभवतः सही नहीं मानते होंगे। वैसे डॉ नरोत्तम मिश्रा की बात की जाये तो वह मिलनसार है, और जिस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते है वहां विकास की भागीरथी वहा देते हैं। दतिया में उन्होंने जो विकास कार्य किये हैं वह किसी से छिपे भी नहीं हैं। हां इतना जरूर है कि वह आम लोगों की भरपूर मदद भी करते हैं। लेकिन भाजपा नेता अवधेश नायक का आरोप उन पर सटीक है या नहीं विचार करना होगा। इतना भी तय है कि वह डबरा से दतिया आकर बहुत लोकप्रिय हो गये हैं, उनका वहां वन मैन शो भी है जो कुछ लोगों को पच नहीं पा रहा है। वह सीएम पद के भी दावेदार हो गये हैं। हां उनकी इतनी कमी जरूर है कि उन्हें दतिया और ग्वालियर में कुछ मुंह लगे नेताओं ने घेराबंदी कर रखी है और यही लोग अन्य लोगों को उनसे मिलने नहीं देते हैं। 30-35 यह लोग उन्हें आम लोगों से दूर कर उनकी निष्पक्ष छवि को भी प्रभावित कर रहे हैं, जिससे अवधेश नायक जैसे भाजपा नेताओं का आक्रोश बढा। ऐसी भी संभावना है कि दतिया से कुछ और भाजपाई भी टूटेंगे। लेकिन डॉ नरोत्तम मिश्रा दतिया में विकास की भागीरथी आरोप प्रत्यारोप से हटकर यूं ही बहाते रहेंगे।

प्रोजेक्ट दृष्टि कार्यक्रम जिनदत्त कुशल सूरी सेवा मंडल द्वारा सम्पन्न

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी बैंगलोर के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा मंडल द्वारा कर्नाटक राज्योत्सव प्रशस्ति से सम्मानित डॉ नरपत जी सोलंकी के नेतृत्व में सोलंकी आई हॉस्पिटल के सौजन्य से निशुल्क नेत्र परीक्षण और चश्मा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवा मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में 350 के करीब सदस्यों का नेत्र परीक्षण किया गया और 150 के करीब चश्मों का वितरण जरुरत के अनुसार किया गया। तीस के करीब आंखों के मरीजों को ऑपरेशन के लिए डॉ नरपत जी सोलंकी द्वारा रेफर किया गया। आज के समय जब आई फ्लू जोर पकड़ रहा है वहां अनेकों को आंखों की दवाईयां फ्लू की रोकथाम के लिए और जिसको फ्लू आया हुआ है उसे ठीक करने के लिए प्रदान की गई। आज के नेत्र शिविर के लाभार्थी प्रशांत और पायल कवाड़ के मासक्षमण के उपलक्ष्य में पन्नालाल गौतमचंद कवाड़ परिवार थे। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने नेत्र शिविर के लाभार्थी कवाड़ परिवार और आई हॉस्पिटल की टीम और मंडल के सेवा प्रदान करने वाले समस्त सदस्यों का आभार जताया। नेत्र शिविर में डॉ सोलंकी आई हॉस्पिटल की पूरी टीम के साथ अनिल भडकतिया, ललित डाकलिया, रनजीत मेहता, इन्दरचन्द नाहटा, ललित रांका, गौतम कोठारी, हितेश गुलेच्छा, विनोद चौपड़ा, विनय खटोड़, पंकज देसरला आदि सदस्यों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। ट्रस्ट मंडल के अध्यक्ष निर्भय लाल गुलेच्छा, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, तनसुख राज गुलेच्छा, आरती जैन ने लाभार्थी कवाड़ परिवार का शाल, माला और स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनन्दन किया। डॉ नरपत जी सोलंकी और उनकी टीम का सेवा मंडल के सदस्यों ने शाल, माला और स्मृति चिन्ह से अभिनन्दन किया। सोलंकी आई हॉस्पिटल द्वारा सेवा मंडल को उनकी सेवाओं के लिए स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। गुरुवर्या श्री जी ने डॉक्टर्स की पूरी टीम की और विशेषकर नरपत जी सोलंकी की सराहना की और उन्हें आगे भी इसी तरह चिकित्सा और मानव सेवा के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति करने का मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। साथ ही गुरुवर्या श्री जी ने जीवन जीने की शैली विषय पर हृदय स्पर्शी प्रवचन दिया और अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् द्वारा संचालित ज्ञान वाटिका के बच्चों द्वारा कार्यक्रम भी पेश किया गया जिसमें वाटिका के बच्चों ने दिल को छू लेने वाले अभिनय से प्रस्तुति दी। ज्ञान वाटिका के आरती जैन, पवनी बाफना, सरिता डाकलिया, रेखा चौपड़ा, यशोदा गुलेच्छा और अनिता लुंकड ने बच्चों को सुन्दर तैयारी करवाई।

ऊर्जा मंत्री ने उपनगर ग्वालियर के विभिन्न क्षेत्रों में किया निरीक्षण

ग्वालियर।ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उपनगर ग्वालियर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह, अपर आयुक्त आरके श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। ऊर्जा मंत्री तोमर सबसे पहले वार्ड 2 झाडू वाला मौहल्ले में पहुंचे। जहां देखा कि बरसात का पानी घरों में भरा होने से आमजन को परेशानियों का सामना करना पड रहा था। जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बरसात के पानी को निकालने के साथ ही सीवर चैम्बरों की सफाई के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने कोटेश्वर मंदिर के पास निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गंदगी मिलने पर संबंधित अधिकारी को साफ सफाई के निर्देश भी दिए। ऊर्जा मंत्री ने वार्ड 16 स्थित चंदन पुरा, सब्जी मंडी व सिंधिया पार्क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कालोनियों में जलभराव व सिंधिया पार्क में जल भराव मिलने पर नाराजगी व्यक्त की। इसके साथ ही संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि क्षेत्र में समय समय पर नालों की सफाई की जाए जिससे जल भराव की समस्या न हो। साथ ही जलनिकासी, साफ सफाई व पेयजल व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान पूर्व पार्षद शशी शर्मा, मोहन विडवेकर, अजीत राजपूत, अशोक जादौन, ओमप्रकार तोमर, जगन्नाथ सिकरवार, धर्मेन्द्र यादव सहित क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गरीबों के मुफ्त इलाज से मिल रहीं दुआएं, उमड़ रही है मरीजों की भीड़

डॉ. दिनकर ने बाराहेट में लगाया स्वास्थ्य शिविर, किया लोगों का मुफ्त इलाज

दैनिक पुष्पाजली टुडे

गोहद। डॉक्टर बी एम दिनकर चैरिटेबल ट्रस्ट के संचालक डॉ धर्मवीर दिनकर इन दिनों शहरी क्षेत्र में ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में मुफ्त इलाज के माध्यम से सुर्खियां बटोर रहे है। उनके द्वारा बाराहेट गांव में ग्वालियर एवं चंबल संभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के माध्यम से कैंप लगाकर 450 से अधिक मरीजों का मुफ्त इलाज एवं मुफ्त दवा वितरित की गई। बाराहेट सिंचाई विभाग के विश्रामगृह में कैंप सुबह 10:00 बजे से 3:00 बजे तक चला। जिसमें मौसमी बीमारियों के साथ-साथ सभी बीमारियों का विशेषज्ञ डॉक्टरों के द्वारा मुफ्त चेकअप एवं इलाज किया गया। गांव में पहली बार ग्वालियर एवं चंबल संभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के द्वारा मुफ्त इलाज को लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह एवं खुशी देखी गई। इस दौरान कई ग्रामीणों ने कहा कि डॉ धर्मवीर दिनकर के द्वारा यह मानव सेवा का पुनीत कार्य किया जा रहा है, यह एक सराहनीय पहल है। इससे लोगों में अच्छा संदेश जा रहा है। डॉ धर्मवीर दिनकर के पिताजी भी डॉक्टर थे तव वह भी इसी प्रकार की सेवा करते थे। उन्हीं के पद चिन्हों पर चलकर दिनकर ने जो मानव सेवा का रास्ता अपनाया है यह उनकी अच्छी एवं सराहनीय पहल है। कैंप में डॉ. धर्मवीर दिनकर के अलावा डॉ. मैमूना खातून (गायनोलॉजिस्ट), डॉ. विनीत चतुर्वेदी (बाल्य रोग विशेषज्ञ), डॉ. योगेंद्र पोनीकर (जनरल फीजिशियन), डॉ देवेश बांदिल (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ अशोक श्रीवास्तव (नेत्र रोग विशेषज्ञ), डॉक्टर छमा (जनरल फीजिशियन), सहित करीब 1 दर्जन से अधिक स्वास्थ्य कर्मचारियों जेसे प्रमोद सिंह, सोनू आर्य, रिंकू नरवरिया, रजनीश, मेनिका, राजकुमार अदि ने कैंप में अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478